शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 194 | गुवाहाटी | सोमवार, 12 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोस चुनाव में भाजपा 370 की संख्या पार करेगी : पीएम मोदी — पेज 2
अतुल बोरा फिर से अगप के अध्यक्ष केशव महंत कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए — पेज 3
राजनीति से प्रेरित न होकर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्मान करती ... — पेज 5
भारतीय खाने और रहन-सहन की बुराई कर फंसी यह सर्बियाई टेनिस... — पेज 7

मंत्रियों और सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली नहीं : सीएम

इलाज के लिए जादू-टोने को लेकर सरकार सख्त, प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को दी गई मंजूरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य के मंत्रियों, अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों को सब्सिडी वाली बिजली नहीं दी जाएगी। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि मंत्रियों की कॉलोनी सहित सरकारी क्वार्टर में प्रीपेड मीटर लगाए जाएं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर जानकारी दी कि हालिया संवाद के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन से बहुत ही मामूली राशि बिजली बिल के मद में काटी जाती है। उन्होंने कहा कि तत्काल, मैंने विभाग को निर्देश दिया कि मंत्रियों की कॉलोनी सहित सभी सरकारी क्वार्टर में प्रीपेड मीटर लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मंत्री, अधिकारी या सरकारी कर्मचारी को सब्सिडी पर बिजली नहीं मिले। उधर राज्य सरकार इलाज के नाम पर किए जाने वाले जादू-टोने को लेकर सख्त हो गई है। सरकार ने उपचार के नाम पर *जादुई उपचार* की प्रथाओं को प्रतिबंधित करने का फैसला लिया है। उसने इस तरह के उपचार को समाप्त करने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक में ऐसे उपचारकर्ताओं के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। बता दें, यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों को साझा करते हुए शर्मा ने कहा कि कैबिनेट ने एक समर्पित सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 शहरों/कस्बों का भी चयन किया और राज्य नगरपालिका कैडर में सुधार लाने का प्रस्ताव रखा। वहीं, मंत्रिपरिषद ने *असम उपचार (बुराइयों की रोकथाम) प्रथा विधेयक, 2024* को मंजूरी दे दी। इस विधेयक का उद्देश्य बहरापन, गूंगापन, अंधापन, शारीरिक विकृति और ऑटिज्म जैसी कुछ जन्मजात बीमारियों के इलाज के नाम पर जादुई उपचार की प्रथाओं को प्रतिबंधित करना और समाप्त करना है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि जादूई उपचार पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाएगा। इलाज के नाम पर गरीब और दलित लोगों से जबरन वसूली करने वाले चिकित्सकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सतत शहरी विकास के लिए 10 शहरों के विकास (दो शहर-एक रूपायन) की अवधारणा शुरू की जाएगी। इसके कार्यान्वयन की निगरानी और समीक्षा राज्य स्तरीय संचालन समिति द्वारा की जाएगी। इसके अलावा, कैबिनेट ने असम नगरपालिका अधिनियम 1956 में संशोधन को मंजूरी दी, जिसके माध्यम से तीन राज्य नगरपालिका कैडरों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया जाएगा। वहीं, इसने वीडीओ में सुधार के लिए *असम ग्राम रक्षा संगठन (संशोधन) विधेयक, 2024* को भी मंजूरी दी।

नया कीर्तिमान : एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बना असम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि असम, देश में एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाई) के तहत प्रत्येक परिवार को सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक इलाज नि:शुल्क मिलता है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में शर्मा ने कहा किअसम ने नई कामयाबी हासिल की है। राज्य ने -शेष पृष्ठ दो पर

रास चुनाव : भाजपा ने सात राज्यों के 14 उम्मीदवारों की घोषणा की

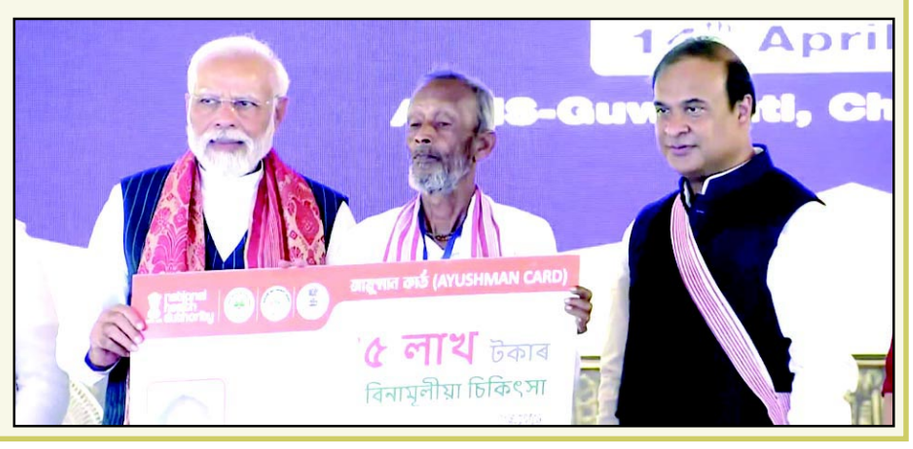

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए सात राज्यों के 14 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। इसमें बिहार से धर्मशिला गुप्ता और भीम सिंह, छत्तीसगढ़ से राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, हरियाणा से सुभाष बराला, कर्नाटक से नारायण कृष्णासा भांडगे, उत्तर प्रदेश से आरपीएन सिंह, सुधांशु चौधरी, तेजवीर सिंह, साधना सिंह, अमरपाल मौर्य, संगीता बलवंत, नवीन जैन, उत्तराखंड से महेंद्र भट्ट और पश्चिम बंगाल से सामिक भट्टाचार्य का नाम शामिल है।

अजमल जैसे व्यक्ति को शंकरदेव संघ के कार्यक्रम में नहीं बुलाएं : मुख्यमंत्री

कामरूप (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा शर्मा ने अपील की है कि बदरुद्दीन अजमल जैसे व्यक्ति को श्रीमंत शंकरदेव संघ के किसी भी कार्यक्रम में नहीं बुलाएं। मुख्यमंत्री आज कामरूप जिले के रंगिया में आयोजित सीमंत शंकरदेव संघ के 93वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जब से शिक्षामंत्री और मुख्यमंत्री बने हैं तब से सरकारी नियमों को दरकिनार करके भी शंकरदेव संघ को आर्थिक सहायता करते रहे हैं। लेकिन, जब कभी भी श्रीमंत शंकरदेव संघ के किसी इकाई द्वारा बदरुद्दीन अजमल जैसे नेताओं को बुलाया जाता है तो उन्हें (मुख्यमंत्री को) बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग नारी को भोग की वस्तु समझते हैं, नारी को संतान उत्पत्ति करने की मशीन समझते हैं, नारी को बुर्खा में रखना चाहते -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
शक्तिशाली शत्रु को कमजोर समझकर ही उस पर आक्रमण करें।
- आचार्य चाणक्य

लोगों को भेजे जा रहे फर्जी जीएसटी समन, सीबीआईसी ने किया आगाह

नई दिल्ली। सीबीआईसी ने शनिवार को फर्जी जीएसटी समन जारी करने वाले धोखेबाजों के प्रति आगाह किया और करदाताओं से जीएसटी अधिकारियों से मिलने वाले किसी भी संदेश की सत्यता की जांच करने को कहा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक बयान में कहा कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने हाल ही में पाया कि धोखाधड़ी के इरादे से कुछ व्यक्ति करदाताओं को फर्जी समन भेज रहे हैं। ये समन ऐसे लोगों को भेजे जा रहे हैं, जो डीजीजीआई की जांच के -शेष पृष्ठ दो पर

जहां कमल के फूल हैं, वहां सुख, शांति और समृद्धि है : सोनोवाल

गुवाहाटी। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे भारत के साथ-साथ असम में भी *आको एबार मोदी सरकार* के नारे गूंज रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घोषणा की है कि वह आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक करेगी। उन्होंने दीवारों को कमल के फूलों से रंग दिया और स्थानीय लोग तथा उत्साही कार्यकर्ता *आको एबार मोदी सरकार* के नारे लगा रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र में नए मतदाताओं से भी बातचीत की। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि पिछले 10 साल देश के लिए स्वर्णिम समय रहे हैं। 2014 में माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद से देश में विकास का पुनर्जागरण शुरू हो गया है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने समानता और सद्भाव का एक नया युग बनाया है, जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को समान सम्मान और समान विकास मिला है। *डिजिटल इंडिया, पीएम विश्वकर्मा, स्किल इंडिया मिशन, मेक इन इंडिया, पीएम मुद्रा योजना, रोजगार मेला* और कई अन्य पहलों का उद्देश्य हमारे युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होने में सक्षम बनाना है। हमें विश्वास है कि इस युवा शक्ति का भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। दुनिया में भरोसेमंद और अग्रणी शक्तिशाली देश। कांग्रेस ने साठ वर्षों तक शासन किया और भारत को दुनिया में एक कमजोर देश के रूप में स्थापित किया। कांग्रेस ने लोकतंत्र को सम्मान नहीं दिया और लोगों पर आपातकाल लागू कर -शेष पृष्ठ दो पर

इस्तांबुल में चुनावी सभा के दौरान हमलावरों ने की गोलीबारी

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल शहर के आगामी नगर निकाय चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान हमलावरों ने एक कार्यक्रम में गोलीबारी की जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। तुर्किये की अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने यह जानकारी दी। अनाडोलू की खबर के मुताबिक शनिवार को यह हमला तब हुआ जब जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी या एकेपी के इस्तांबुल के कुकुकसेकेमेस जिले से महापौर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मुंबई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (हि.स.)। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ई-मेल में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को तुरंत सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए नहीं तो मैं हर अमेरिकी दूतावास को उड़ा दूंगा। पुलिस के अनुसार, शनिवार अपराह्न करीब 3.50 बजे दूतावास को यह ई-मेल प्राप्त हुआ। ई-मेल भेजने वाले ने खुद को भगोड़ा अमेरिकी नागरिक बताया है। उसने कहा है कि उसके खिलाफ अमेरिका में 19 आपराधिक आरोप दर्ज हैं। इस व्यक्ति ने ई-मेल में कहा कि मेरी अमेरिकी नागरिकों को मारने की भी योजना है। दूतावास से यह जानकारी मिलने के बाद बांद्रा-कुर्ला पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 505(1)(बी) और 506(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति का विवरण जुटा रही है।

भाजपा ने बंगाल में लोस चुनाव के लिए राम मंदिर-सीएए पर दांव लगाया

42 में से 35 सीटें जीतने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 पर जीत दर्ज करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कवायद में अब भ्रष्टाचार के मुद्दे से अपना ध्यान हटाकर अयोध्या में राम मंदिर और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) जैसे भावनात्मक मुद्दों को उठाने की कोशिश कर रही है। भाजपा की रणनीति पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन *इंडिया* से अलग होकर अकेले लड़ने के तृणमूल कांग्रेस के फैसले पर आधारित है। इस कदम ने भाजपा के भीतर -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में नवाज शरीफ को सेना का समर्थन गठबंधन सरकार के लिए सौदेबाजी शुरू

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में गुरुवार को हुए चुनाव के पूरे परिणाम अभी तक घोषित नहीं हो पाए हैं लेकिन त्रिशंकु संसद के आसार के बीच सेना ने नवाज शरीफ का समर्थन किया है। इसी के साथ गठबंधन सरकार के लिए सौदेबाजी शुरू हो गई है। हालांकि, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव में शानदार प्रदर्शन करके संख्याबल में सबसे अधिक हैं। पीएमएल-एन और पीपीपी ने गठबंधन सरकार के लिए प्रयास तेज करके सौदेबाजी शुरू कर दी है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने अपनी पार्टी के नेताओं को बताया है कि पूर्व राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के लिए प्रधानमंत्री पद की मांग की है। पीपीपी ने अपनी इस शर्त को मानने पर गठबंधन सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त की है। शहबाज ने पार्टी नेताओं को बताया कि जरदारी ने पेशकश की कि बदले में पीपीपी पंजाब में अपनी सरकार बनाने के लिए पीएमएल-एन का समर्थन करेगी। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार रात पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और बिलावल -शेष पृष्ठ दो पर

किताब में दावा...

अल्फा प्रमुख को नाराज करने से डरता था आईएसआई

नई दिल्ली। असम के अल्फा उग्रवादियों को लेकर एक नई किताब में कई दावे किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि 1991-92 में अल्फा उग्रवादियों को प्रशिक्षित करने वाली आईएसआई विद्रोही समूह के प्रमुख परेश बरुआ से डरता था। इसलिए वह किसी भी हालत में उसे नाराज नहीं करना चाहता था। यहां तक कि बरुआ ने पूर्वोत्तर राज्य में अभियान चलाने के लिए एजेंसी की कमान संभालने से भी इनकार कर दिया था, तब भी आईएसआई ने उससे कुछ नहीं कहा। किताब ऐसे समय में सामने आई है, जब अरविंद राजखोवा के नेतृत्व वाले धड़े और केंद्र के बीच शांति वार्ता चल रही है। अनुभवी पत्रकार राजीव भट्टाचार्य की किताब *अल्फा : द मिराज ऑफ डॉन* में 1970 के दशक के अंत में प्रतिबंधित समूह के गठन से लेकर मौजूदा समय तक के सफर का जिक्र किया गया है। बरुआ अब वार्ता विरोधी अल्फा (इंडिपेंडेंट) गुट का प्रमुख है। माना जाता है कि वह चीन के युन्नान प्रांत में कहीं छिपा हुआ है। अल्फा उग्रवादियों के पहले बैच को 1991-92 में पाकिस्तान में तीन समूहों में प्रशिक्षित किया गया था। इसमें कुल लगभग 40 कैडर शामिल थे। एक समूह को पेशावर के पास प्रशिक्षित किया गया था। जबकि अन्य को अफगानिस्तान के कंधार और पाकिस्तान में सफेद कोह पहाड़ों के पास दर्रा आदम खेल में हथियार बाजार ले जाया गया था। किताब में कहा गया है कि आईएसआई को उम्मीद थी कि बरुआ उनके आदेश मानेगा, जबकि इस बात ने अल्फा प्रमुख को परेशान कर दिया था। भट्टाचार्य ने लिखा कि बरुआ एजेंसी के सामने झुकने और असम में अभियान चलाने के आदेश लेने जैसे उसके सभी फरमानों को मानने के लिए तैयार नहीं था। एक समय पर, उसने मान लिया था कि आईएसआई के साथ उसका जुड़ाव खत्म होने की कगार पर है। आखिरी बैठक के दौरान बरुआ अचानक से खड़ा हुआ और हमेशा के लिए अलविदा करके कार्यक्रम स्थल से चला गया था। हालांकि, आईएसआई बरुआ से डरता था, इसलिए उसे -शेष पृष्ठ दो पर

मां ने गलती से सुलाने के लिए ओवन में रख दिया बच्चा, हो गई मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में एक मां की लापरवाही दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। अमेरिका के मिजूरी में लापरवाह मां मारियाह थॉमस ने अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से *ओवन* (खाद्य सामग्री बनाने या उन्हें गर्म करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। हैरत की बात ये थी कि ओवन ऑन भी था। पुलिस ने जांच शुरू की तो महिला ने बताया कि रात को बच्चे को दूध पिलाने के बाद वह उसे पालने में सुलाने लगी लेकिन पता नहीं कैसे उसने गलती से बच्चे को ओवन में डाल दिया। सुबह जब उसी नींद खुली तो उसे ध्यान आया -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लोस चुनाव में भाजपा 370 की संख्या पार करेगी : पीएम मोदी

झाबुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से अधिक सीट मिलेंगी। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी विरोधी है और केवल चुनाव के समय ही गांव, किसान और गरीब याद आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने देश के दक्षिण में भगवान राम से जुड़े मंदिरों का दौरा किया तो उन्हें लोगों से जबरदस्त प्यार मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी फूट डालने की अपनी आखिरी रणनीति का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो भाषा, क्षेत्र और जाति के आधार पर (समाज में) बांटने का काम करती है। लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने ही पापों के दलदल में फंस चुकी है वह जितना निकलने की कोशिश करेगी उतना फंसेगी। उन्होंने कहा कि 2023 (विधानसभा चुनाव) में कांग्रेस की छुट्टी हो गई और आगामी लोकसभा चुनाव में इसका पूरा सफाया होना तय है। प्रधानमंत्री कहा किविधानसभा चुनावों में लोगों ने कांग्रेस को आईना दिखाया। आगामी लोकसभा चुनावों में भी देश के कौने-कौने में मिजाज ऐसा ही है। प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से आगामी चुनाव में

भाजपा को लोकसभा की 543 में से 370 सीट जिताने के लिए पिछले तीन चुनावों में प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मिले सबसे अधिक मत की तुलना में 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी अब भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन राजग के लिए *अबकी बार 400 पार* बात कह रहे हैं। मोदी ने कहा किमुझे यकीन है कि भाजपा का कमल चुनाव चिन्ह निश्चित रूप से अपने दम पर 370 का आंकड़ा पार कर जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार करने के लिए झाबुआ नहीं आए हैं, बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में मिले जबरदस्त समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देने के खातिर एक *सेवक* के रूप में आए हैं। भाजपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है। जनसभा को संबोधित करने से पहले शुरू की गई 7,550 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी *डबल इंजन* सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है। केंद्र ने पिछले साल राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 शुरू किया था, जिसका उद्देश्य, विशेष रूप से आदिवासी आबादी के बीच सिकल सेल रोग से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना है। झाबुआ एक आदिवासी बहुल जिला है जिसकी सीमा भाजपा शासित राज्य- गुजरात और राजस्थान, से सटी हुई है। संयोग से, देशभर में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 47 लोकसभा सीट में से छह मध्य प्रदेश में, चार गुजरात में और तीन राजस्थान में हैं। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीट में से 28 पर जीत हासिल की थी, जिसमें एसटी के लिए आरक्षित छह सीट हैं। इसके अलावा गुजरात की सभी 26 और राजस्थान की 25 सीट पर भी जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण में जब मैंने भगवान राम से जुड़े मंदिरों का दौरा किया, तो महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने मुझ पर अनगिनत आशीर्वाद बरसाए। मैंने देश की ताकत को अनुभव किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के दौरान पार्टी ने कभी भी आदिवासी विकास या उनके सम्मान के बारे में नहीं सोचा और उन्हें केवल वोट बैंक माना। उन्होंने सभा में कहा कि भाजपा के लिए आदिवासी वोट बैंक नहीं, बल्कि देश का गौरव और भविष्य हैं। मोदी उनके लिए काम करने की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान (2014 तक) आदिवासी बच्चों के लिए केवल 100 एकलव्य आवासीय स्कूल खोले गए, जबकि अब यह आंकड़ा चार गुना हो गया है। उन्होंने कहा कि एक भी आदिवासी शिक्षा के अभाव में पीछे रह जाए ये मोदी को मंजूर नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिवासी कल्याण के लिए एक मंत्रालय की स्थापना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गांवों के बारे में चिंता नहीं की और अपने महलों की चिंता में डूबी रही। अब, स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी अपने वरिष्ठ नेताओं से पूछ रहे हैं कि मोदी के खिलाफ वोट कैसे मांगा जाए। वे मुसीबत में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जर्जर हालत में है और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के अंदर खूब भगदड़ मची हुई है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम मोदी के साथ आजीवन खड़े रहने का संकल्प लिया

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस से 24 घंटे पहले बाहर किए गए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रविवार को उत्तर प्रदेश के संभल स्थित श्री कल्कि धाम में चुप्पी तोड़ी। श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य कृष्णम ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 16-17 साल की उम्र में मैंने जो वचन राजीव गांधी को दिया था, वो आज तक निभाया है। आज इस उम्र में संकल्प ले रहा हूं कि अब मैं आजीवन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा रहूंगा। निष्कासित कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि मैं कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ा हुआ हूं। सबसे पहले रामराज्य का सपना महात्मा गांधी ने देखा था। जो सपना महात्मा गांधी ने देखा वो सपना प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं। अगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और देशहित में अच्छा फैसला कर रहे हैं तो उसका समर्थन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व आज प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते-करते पूरे देश से नफरत करने लगा है। कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी से नफरत करते-करते सनातन को मिटाने पर तुल गई है। पार्टी में सचिन पायलट का बहुत अपमान हुआ है। सचिन भगवान शिव की तरह जहर पिये जा रहे हैं। प्रियंका गांधी की भी बहुत तौहीन की जा रही है। सवाल यह है कि अपमान किसके इशारे पर किया जा रहा है? आचार्य कृष्णम ने कहा कि उन्हें कल रात कुछ न्यूज चैनलों के माध्यम से अपने छह साल के निष्कासन की जानकारी मिली। उन्होंने इसके लिए सवाल करते हुए कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताया और पूछा कि केसी वेणुगोपाल या मल्लिकार्जुन खड़गे बताएं कि ऐसी कौन सी गतिविधियां हैं जो पार्टी के विरोध में थीं। क्या भगवान राम का नाम लेना पार्टी (कांग्रेस) विरोधी है? उन्होंने कहा कि *राम और राष्ट्र* पर समझौता नहीं किया जा सकता। निष्कासन बहुत छोटी चीज है।

बजट बड़ा होने से नहीं, सवाल है आखिर खर्च क्यों नहीं हो रहा : अखिलेश

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के बजट खर्च न किए जाने को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने शनिवार को यूपी विधानसभा सत्र 2024-25 के स्थगित होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सवाल ये है कि विभागों का बजट खर्च नहीं हो पा रहा है और हर बार बड़ा बजट पेश किया जा रहा है। आखिर क्यों नहीं बजट खर किया जा रहा है। अखिलेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की बुनियादी जरूरतों को लेकर क्या कर रहे हैं। आज 80 करोड़ लोगों को इन्हें राशन देना पड़ रहा है। लेकिन 80 करोड़ से अधिक लोगों का जीवन स्तर कब बेहतर होगा? उनके सपने कब पूरे होंगे। क्या पढ़ाई का इंतजाम अच्छा हो गया है।

त्रिपुरा में तीन बांग्लादेशी महिलाओं समेत छह गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा में अगरतला रेलवे स्टेशन पर आज अवैध रूप से भारत में घुसी बांग्लादेशी तीन महिलाओं समेत कुल छह लोगों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जीआरपी के अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर पहले ही सुरक्षा बलों को सतर्क कर रखा था। जीआरपी सूत्रों ने बताया कि त्रिपुरा के सोनामुरा निवासी अमजर आलम, रहीमा बेगम तथा मामन हुसैन नमक दलालों के जरिए बांग्लादेश से त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के सोनामुरा में सीमा पार करके ढाका निवासी मौसमी, झरना तथा रेहाना नाम की महिलाएं भारत में घुसी। उनकी योजना अगरतला स्टेशन पर ट्रेन में सवार होकर पश्चिम बंगाल पहुंचने की थी। ज्यों ही तीनों दलालों के साथ तीनों बांग्लादेशी महिलाएं अगरतला स्टेशन पर पहुंची कि पहले से ही वहां तैनात जीआरपी कर्मियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि इन दलालों के जरिए वे तीनों भारत में प्रवेश करके काम की तलाश में पश्चिम बंगाल जा रही थी। उन्हें भारतीय पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस संदर्भ में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। उल्लेखनीय है कि दलालों के जरिए लगातार बांग्लादेशी नागरिक पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा में घुसकर यहां से पूरे देश में पहुंच जाते हैं। सभी राजनीतिक दलें बारी-बारी से इसे रोकने के दावे कर चुकी हैं, लेकिन किसी भी दल की सरकार भारत बांग्लादेश सीमा को पूरी तरह सील करने में सफल नहीं रही। यही कारण है कि बांग्लादेश से पूर्वोत्तर के रास्ते पूरे देश में बांग्लादेशी नागरिक प्रवेश कर रहे हैं।

कन्या भ्रूण हत्या की सूचना देने पर सरकार देगी एक लाख का नगद इनाम

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या की सही गोपनीय सूचना देने वालों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक लाख रुपए तक का इनाम देने का ऐलान किया है। सरकार व प्रशासन की ओर से कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित और कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत पहली बार प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर 3 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना किया जाता है। इसके उपरांत दोबारा जुर्म करने पर 5 साल कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है। इस अधिनियम के तहत पति/परिवार के सदस्य या लिंग चयन के लिए उकसाने वाले व्यक्ति के लिए पहले अपराध पर 50 हजार रुपए तक के जुर्माने के साथ 3 साल तक की कैद तथा इसके उपरांत अपराध करने पर एक लाख रुपए तक जुर्माने के साथ 5 साल तक की कैद का प्रावधान एक्ट में किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि सरकार के सकारात्मक एवं जागरुकता प्रयासों के चलते हरियाणा के लोगों में लिंगभेद की सोच को लेकर अभूतपूर्व बदलाव आया है। अब प्रदेश में बेटे-बेटियों के बीच अंतर बहुत कम समझने लगे और इसके उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे है। वर्तमान में राज्य की लड़कियों ने हर क्षेत्र में सफलता के द्वार खोले और न केवल अभिभावकों का नाम रोशन किया है, बल्कि प्रदेश में देश का नाम ऊंचा किया है। वर्तमान दौर में अधिकांश अभिभावक अपनी बेटियों का नाम लेकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करने लगे है। इसके बावजूद समाज में लिंगानुपात के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है।

साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को

जयपुर (हिंस)। फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 24 मार्च को रात 9 बजकर 57 मिनट से आरंभ हो जाएगी, जिसका समापन 25 मार्च रात्रि 12 बजकर 32 मिनट पर होगा। ऐसे में 25 मार्च को चंद्र ग्रहण के साए में होली का त्योहार मनाया जाएगा। चंद्र ग्रहण की शुरूआत सुबह 10 बजकर 23 मिनट से होगी। वहीं इसका समापन दोपहर 3 बजकर 2 मिनट पर होगा। इस चंद्र ग्रहण को भारत में धुंधला देखा जा सकेगा, इस कारण से इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। लेकिन शास्त्रों में कहा जाता है कि चंद्र ग्रहण का प्रभाव सभी राशियों पर जरूर होता है। कुछ राशियों पर ग्रहण का शुभ प्रभाव तो कुछ राशियों पर इसका अशुभ प्रभाव देखने को मिलता है। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि यह चंद्र ग्रहण अमेरिका, जापान, रूस के कुछ हिस्से आयरलैंड, इंग्लैंड, स्पेन, पूर्तगाल, इटली, जर्मनी, फ्रांस, हॉलैंड, बेल्जियम, दक्षिणी नॉर्व और स्विजरलैंड में दिखाई देगा।

अब खड़गे ने भी पंजाब में सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया

चंडीगढ़ (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पंजाब के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ चुनाव की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस पार्टी सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जनता के सहयोग से सभी सीटें जीतेगी। मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को पंजाब के लुधियाना में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पंजाब पहुंचे खड़गे ने आईएनडीआईए गठबंधन से अलग अपने बल पर चुनाव लड़ने के साफ संकेत देते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट किया। इससे पहले शनिवार को आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भी पंजाब में आईएनडीआईए गठबंधन से अलग अपने दम पर चुनाव लड़ने का एलान किया था। रविवार को खड़गे ने जनसभा के दौरान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन का एलान करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार ने पिछले दस वर्षों के दौरान देश के किसानों और जवानों को बर्बाद किया है। केंद्र में कांग्रेस की सरकार आते ही तीनों कृषि कानूनों को पूरी तरह से रद्द किया जाएगा। पंजाब के समराला में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि पंजाब के किसान अपने हकों की लड़ाई के लिए दिल्ली कूच कर रहे हैं। समूची

कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसानों को खत्म कर सब कुछ कॉर्पोरेट सेक्टर को देना चाहती है। खड़गे ने कहा कि पंजाब के नौजवान अगर सेना में अग्निवीर के बजाए पक्की भर्ती चाहते हैं तो केंद्र की भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए कांग्रेस का साथ दें। कांग्रेस की सरकार आते ही अग्निवीर योजना को समाप्त करके पक्की भर्तियां की जाएंगी। खड़गे ने यूपीए सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज केंद्र सरकार के मंत्री पुराने कामों का नवीनीकरण करके उनका दोबारा उद्घाटन कर रहे हैं। पंजाब कांग्रेस के प्रधान राजा वड़िंग ने कहा कि जब उन्हें कमान दी गई तो कांग्रेस 80 सीटों से 18 सीटों पर आ गई थी। पंजाब में जिस तरह हार मिली, उससे वह चिंतित थे कि कांग्रेस का क्या होगा। अब जो लीडर मंच पर उपस्थित हैं, इन्होंने दोबारा कांग्रेस को खड़ा कर दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

नया कीर्तिमान : एक...

माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा किविकसित भारत यात्रा और आयुष्मान आपके द्वार अभियान जैसे प्रयासों के माध्यम से एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला, असम पहला राज्य बन गया है।

अजमल जैसे व्यक्ति ...

हैं, नारी को दबाना चाहते हैं, जिन लोगों का नारी के प्रति कोई सम्मान नहीं है- ऐसे लोगों को शंकरदेव संघ के किसी भी कार्यक्रम में नहीं बुलाएं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वे जब तक हैं, पैसे की कमी नहीं होने देंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रीमंत शंकरदेव का समाज में अवदान की भी इस दौरान विस्तारपूर्वक चर्चा की।

लोगों को भेजे जा ...

दायरे में हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जो फर्जी समन भेजे जा रहे हैं, वे असली लग सकते हैं क्योंकि उनके पास दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) है, ये डीआईएन संख्या डीजीजीआई ने जारी नहीं की है। बयान में कहा गया कि इस मुद्दे से निपटने के लिए डीजीजीआई गंभीरता से काम कर रहा है। करदाता सीबीआईसी की वेबसाइट पर *सीबीआईसी-डीआईएन सत्यापन* से या डाटा प्रबंधन निदेशालय (डीडीएम), सीबीआईसी के आनलाइन पोर्टल पर डीआईएन उपयोगिता सर्च से समन की वास्तविकता का पता लगा सकते हैं।

जहां कमल के ...

दिया। असम और पूर्वोत्तर के लोग एक नए युग का गवाह बन रहे हैं। प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व में सर्वांगीण विकास एवं स्थायी शांति। हमारा लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित देश बनाना है। भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जिससे नया साहस एवं मनोबल प्राप्त हुआ है। प्रत्येक नागरिक के लिए। अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए, यह भारत की आत्मनिर्भरता का एक पावरहाउस है। पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर में आमूल-चूल परिवर्तन ने पूरे क्षेत्र को अब व्यापार के लिए एक संभावित *हॉटस्पॉट*। मोदी पूर्वोत्तर के महत्व को गहराई से समझते हैं और उन्होंने आसियान और बीबीआईएन देशों के समूह के साथ व्यापार के लिए एक मैत्रीपूर्ण और आशाजनक माहौल बनाने के लिए एक्ट ईस्ट नीति को तेज किया है। इसने पूर्वोत्तर को आर्थिक सुधार की दिशा में भी सक्षम बनाया है। साठ वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को केवल उग्रवाद, हत्या, हिंसा, लूटपाट, भ्रष्टाचार, घोटाले और शोषण ही दिया है। कांग्रेस द्वारा पूर्वोत्तर भारत की उपेक्षा और कुप्रबंधन के कारण यह पूरा क्षेत्र कई वर्षों तक पीछे छूट गया। भाजपा की जुड़वां इंजन सरकार ने पूरे क्षेत्र में परिवहन बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार करके पूर्वोत्तर भारत और देश के अन्य राज्यों के बीच यात्रा के समय को कम कर दिया है। यह सब पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व, सद्भावना और असीम प्रेम और ईमानदारी से संभव हुआ है। पिछले 10 वर्षों में मोदी स्वयं 60 से अधिक बार पूर्वोत्तर भारत का दौरा कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री करीब 900 बार पूर्वोत्तर भारत का दौरा कर चुके हैं। अमर जीवन के अगले 23 वर्ष हमारे लिए कर्तव्य की अवधि हैं। इस समय हम सभी को जाति, धर्म, भाषा और नस्ल से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण के महान प्रयास में शामिल होना चाहिए। सभी स्तरों पर लोगों की व्यापक प्रतिक्रिया, विश्वास और उत्साह ने तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी सरकार बनाने की संभावनाओं को मजबूत किया है। इस कार्यक्रम में गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया, डिप्टी मेयर स्मिता रॉय, बूथ अध्यक्ष बेबी चक्रवर्ती, दीवार लेखन कार्यक्रम के असम प्रदेश संयोजक मनोज शराफ और पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस्तांबुल में चुनावी सभा ...

उम्मीदवार अजीज येनिया एक महासंघ का दौरा कर रहे थे। खबर के मुताबिक 32 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और हमलावर एक वाहन में सवार होकर भाग गए। पुलिस ने कहा कि वे सुरक्षा कैमरे के फुटेज की जांच कर रहे हैं और उन्हें घटनास्थल पर कारतूस के 17 खोखे मिले हैं। तुर्किये में 31 मार्च को महापौर का चुनाव होगा।

भाजपा ने बंगाल ...

टीएमसी विरोधी वोट हासिल करने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। भाजपा को 2014 में 17 प्रतिशत वोट मिले थे जो 2019 में बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया जिसके परिणामस्वरूप उसे 18 लोकसभा सीटें मिली थीं। राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद से आंतरिक कलह और चुनावी झटकों के बावजूद ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को भुनाने की भाजपा की कोशिशें रंग नहीं लायी हैं। लोकसभा की 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय करते हुए भाजपा अब राम मंदिर और सीएए जैसे भावनात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा की प्रदेश महासचिव अग्निमित्रा पॉल ने बताया किराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और सीएए लागू करना दोनों ही पार्टी के अहम मुद्दे हैं। उन्होंने कहा किदोनों मुद्दे भावनात्मक हैं और लोग इससे जुड़ सकते हैं। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने इन मुद्दों की भावनात्मक अपील का उल्लेख करते हुए हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने और खासतौर से मतुआ समुदाय की शरणार्थी चिंता को हल करने में इनके ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया। घोष ने कहा कि सीएए लागू करने के वादे ने भाजपा की चुनावी सफलता में एक अहम भूमिका निभायी है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के मुद्दे ने पहले भी भाजपा को फायदा पहुंचाया है और इस बार भी यह पश्चिम बंगाल समेत देशभर के हिंदुओं को एकजुट करने में हमारी मदद करेगा। राज्य की अनुसूचित जाति की आबादी का एक अहम हिस्सा मतुआ समुदाय के लोग पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में धार्मिक उत्पीड़न से भागकर 1950 से पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। उनका एकजुट होकर मतदान करना उन्हें एक अहम मतदाता वर्ग बनाता है खासतौर से सीएए पर भाजपा के रुख को देखते हुए। सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के वादों पर भरोसा करते हुए मतुआ समुदाय ने 2019 में राज्य में सामूहिक रूप से भाजपा के लिए वोट किया था। केंद्रीय मंत्री और मतुआ समुदाय के नेता शांतनु ठाकुर ने हाल में कहा था कि सीएए को जल्द ही लागू किया जाएगा। भाजपा को यह भी लगता है कि पश्चिम बंगाल में *इंडिया* (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने के टीएमसी के फैसले से उसे टीएमसी विरोधी वोट मिलने में मदद मिलेगी। भाजपा की रणनीति का जवाब देते हुए टीएमसी को मतदाताओं से अपनी अपील पर अब भी भरोसा है और वह भाजपा की साम्प्रदायिक राजनीति को अप्रभावी बताकर खारिज कर रही है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि मतदाता पश्चिम बंगाल में भाजपा के विभाजनकारी हथकंडों को नाकाम कर ममता बनर्जी का समर्थन करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक मैदुल इस्लाम ने कहा कि भावनात्मक मुद्दों पर भाजपा की निर्भरता उसकी संगठनात्मक कमजोरियों से पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और सीएए जैसे मुद्दे पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव में हावी रहेंगे।

पाकिस्तान में नवाज ...

से मुलाकात की और भविष्य के गठबंधन पर चर्चा की। इसके बाद शनिवार को दिन में पीएमएल-एन नेताओं ने केंद्र के साथ-साथ पंजाब में भावी सरकार बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की। शहबाज शरीफ ने सीनेटर इशाक डार, ख्वाजा साद रफीक, सरदार अयाज सादिक, मरियम औरंगजेब, मलिक मुहम्मद अहमद खान, सीनेटर आजम नजीर तरार, अताउल्लाह तरार, ख्वाजा इमरान नजीर और अन्य ने नई परिस्थितियों पर चर्चा की है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के आम चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के मद्देनजर सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने गठबंधन सरकार बनाने के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के आह्वान का समर्थन किया। इस बीच कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकड़ ने कहा कि उन्हें देश में गठबंधन सरकार बनने की उम्मीद है। हालांकि, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में नेशनल असेंबली की 100 सीट पर जीत हासिल कर सबको हैरान कर दिया है। पाकिस्तान चुनाव आयोग के 265 में से 255 सीटों के घोषित परिणाम के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 73, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) ने 17 सीट पर जीत हासिल की है। अन्य 11 सीटों पर छोटे दलों को जीत मिली है। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को नेशनल असेंबली में 265 में से 133 सीट जीतनी होगी। एक उम्मीदवार की मौत के बाद एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में सेना को काफी शक्तिशाली माना जाता है। उसने पिछले 75 से अधिक वर्षों में आधे से अधिक समय तक शासन किया है।

अल्फा प्रमुख को ...

नाराज नहीं कर सकता था। शनिवार को लॉन्च की गई किताब में दावा किया गया है कि एजेंसी यह अच्छी तरह से जानती थी कि अल्फा के साथ जुड़े रहने से बहुत फायदे हो सकते हैं। जैसे कि पूर्वोत्तर के अन्य अलगाववादी समूहों तक पहुंच, जिन्हें पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा सकता है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक में कहा गया कि इसलिए, एजेंसी ने न केवल दूसरे बैच को अपना प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति दी, बल्कि जल्द ही ढाका में दूतावास में अपने सदस्यों को निर्देश दिया कि वे बरुआ से अगले बैच को भेजने का अनुरोध करें। अनुरोध पर बरुआ ने वैसा ही किया और खुद रावलपिंडी में स्थित आईएसआई मुख्यालय में भी गया। इससे यह विवाद न केवल खत्म हो गया था बल्कि इसने एक समझौते पर मुहर लगा दी थी जो कई वर्षों तक चलने वाली थी। इसमें यह भी कहा गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल अशफाक परवेज कयानी ने अल्फा सदस्यों के एक समूह के साथ उस समय बातचीत की और हाथ मिलाया जब वे उस देश में प्रशिक्षण ले रहे थे। कयानी ने 2007 में पाकिस्तान सेना प्रमुख के तौर पर जनरल परवेज मुशर्रफ का पद संभाला था। पुस्तक में यह भी बताया गया है कि कैसे बरुआ को खुफिया एजेंसी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस द्वारा बांग्लादेश में दो महीने से अधिक समय तक कैद में रखा गया था। 1993 में चटगांव में पुलिस ने एक जहाज में रोमानिया से लाए गए अत्याधुनिक हथियारों की खेप को जब्त कर लिया था। हथियार छोड़ने के लिए बरुआ ने खुफिया एजेंसी से संपर्क किया था। तभी बरुआ को एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी के साथ डीजीएफआई की हिरासत में ले लिया गया था और मीरपुर सैन्य छावनी में रखा गया। भट्टाचार्य ने पुस्तक में कहा कि डीजीएफआई अल्फा और भारत के पूर्वोत्तर के अन्य विद्रोही समूहों की बांग्लादेश में गतिविधियों के बारे में पूरी तरह से अवगत था। लेकिन उसने कभी उम्मीद नहीं की थी कि यह संगठन इतना बेशर्म होगा कि वह गुप्त रूप से देश में हथियारों की एक बड़ी खेप आयात करेगा! इसलिए, परेश और अल्फा के अन्य पदाधिकारियों को डीजीएफआई की अलग-अलग कोठरियों में रखा गया था, लेकिन किसी का भी शारीरिक उत्पीड़न नहीं किया गया, जैसा कि आमतौर पर ऐसी जगहों पर होता है। किताब में दावा किया गया कि बरुआ के जेल के अंदर भूख हड़ताल पर बैठने के बाद दोनों को रिहा किया गया था। एजेंसी ने दोनों से पूछताछ की और फिर उन्हें बिना शर्त रिहा कर दिया था। किताब में यह भी बताया गया है कि बांग्लादेश में बरुआ को मारने की कैसे चार बार कोशिश की गई।

मां ने गलती से सुलाने ...

कि उसने तो गलती से बच्चे को ओवन में ही सुला दिया था। जैसे ही उसने ओवन खोलकर देखा तो बच्चा उसमें झुलस चुका था। तुरंत उसने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम में इस बात का खुलासा हुआ है कि बच्चे की मौत दम घुटने और जलने से हुई है.पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी। इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान में कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे और उसे मृत घोषित कर दिया गया। बयान में कहा गया है कि सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों को एक गवाह ने बताया कि मां ने बच्चे को सुलाने के लिए पालने के बजाय गलती से ओवन में रख दिया। बयान में यह नहीं बताया गया कि इस प्रकार की गलती कैसे हुई। जैक्सन काउंटी में अभियोजन पक्ष के वकील जीन पीटर्स बेकर ने एक बयान में कहा कि यह अत्यंत त्रासदीपूर्ण घटना हैं और हम एक अनमोल जीवन के खोने से दुखी हैं। हमें भरोसा है कि आपराधिक न्याय प्रणाली इस भयानक घटना को लेकर उचित कार्रवाई करेगी।

अतुल बोरा फिर से अगप के अध्यक्ष केशव महंत कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए

गुवाहाटी (हिंस)। अतुल बोरा आज फिर से असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष तथा केशव महंत कार्यकारी अध्यक्ष चुन लिए गए। दोनों नेताओं ने कार्यभार संभालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद दिया। चुने जाने के बाद सोशल मीडिया के जरिए अतुल बोरा ने बताया कि असम गण परिषद के अध्यक्ष के रूप में, मैं पार्टी के सहयोगियों द्वारा तीन साल के कार्यकाल के लिए एक बार फिर हमें देकर हम पर दिखाए गए गहरे विश्वास के लिए अपने दिल की गहराई से पार्टी के प्रत्येक सहयोगी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता और

आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं अपने साथी केशव महंत को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, जिन्हें कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है। उन्होंने कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि अपने साथियों की मदद, सहयोग और सलाह से हम आने वाले दिनों में अगप को एक नए रूप में चमकाने में सक्षम होंगे। असम गण परिषद का झंडा असम के संघर्षरत लोगों द्वारा एकजुट तरीके से रचे गए गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है। आज के 12वें केंद्रीय अधिवेशन में इस झंडे के साक्षी बनने के साथ, हम सभी पार्टी को एक नई ताकत के साथ मजबूत करने और एकता, शांति और सद्भाव से संपन्न विकासोन्मुखी असम के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

पूसीरे में माल लोडिंग की नियमित गति से हो रही वृद्धि

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) अपने ग्राहकों की सेवा और आवश्यक वस्तुओं को समय पर उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए दिन-रात समर्पित भाव से कार्यरत है। इसी क्रम में पूसीरे माल लोडिंग में निरंतर विकास कर रहा है। चालू वर्ष के जनवरी माह में 0.815 मिलियन टन के विभिन्न वस्तुओं की लोडिंग दर्ज की गई थी। इस प्रकार, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2023 से जनवरी, 2024 तक की अवधि में माल लोडिंग का आकड़ा बढ़कर 8.351 मिलियन टन हुआ था। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि अप्रैल, 2023 से जनवरी, 2024 की अवधि के दौरान, कंटेनर और पीओएल लोडिंग ने कुछ अन्य विविध वस्तुओं के साथ पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बेहतर अंतर से प्रगति दर्ज की।

ऑल इंडिया पारीक महासभा के स्थापना दिवस पर देशव्यापी रक्तदान शिविर आयोजित

पारीक सभा गुवाहाटी के शिविर में 156 यूनिट रक्त संग्रह

गुवाहाटी (विभास)। ऑल इंडिया पारीक महासभा के स्थापना दिवस के मौके पर रक्तदान का देशव्यापी आयोजन किया गया। देश के प्रमुख शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया। इसी के मद्देनजर ऑल इंडिया पारीक महासभा के अंतर्गत पारीक सभा गुवाहाटी के सहयोग से पारीक युवक परिषद की ओर से अलग-अलग स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 156 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। महासभा कि युवा इकाई के राष्ट्रीय संयोजक परेश पारीक, असम प्रदेश अध्यक्ष अमित पारीक एवं राष्ट्रीय सचिव अरविंद पारीक के नेतृत्व में शिविर का आयोजन माखाड़ी हॉस्पिटल के ब्लडबैंक, परशुराम सेवा सदन (ब्राह्मण भवन) तथा बी बरुआ कैंसर इंस्टीट्यूट में किया गया। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा उनकी हिस्सेदारी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक रक्त दानदाता को उच्च क्वालिटी के ग्लूकोमीटर किट उपहार स्वरूप भेंट किए गए। पारीक सभा के मुकेश पारीक ने बताया कि पूरे भारत में इस एक दिवसीय शिविर में 1427 यूनिट रक्त संग्रह

किया गया। आने वाले समय में इस तरह के अन्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। दिनेश पारीक ने प्रथम बार रक्तदान करने वालों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी उनसे जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने का आह्वान किया। अमित पारीक ने समाज के सभी लोगों से अनुरोध किया है कि वे लोग जरूरत पड़ने पर रक्तदान को आगे आए। अरविंद पारीक ने बताया कि अभियान को सफल बनाने में सर्व समाज का सहयोग रहा। विशेष रूप से मुकेश पारीक, दिनेश पारीक, अंकित पारीक, अरविंद शर्मा, श्याम जोशी आदि का भरपूर सहयोग रहा। परेश पारीक ने शिविर को सफल बनाने के लिए समाज के वरिष्ठ सदस्यो एवं युवाओं के प्रति आभार प्रकट किया।

ब्रह्मपुत्र साहित्य सभा ने स्वर्गीय छगनलाल जैन का मनाया शत-वार्षिकी समारोह

गुवाहाटी (विभास)। ब्रह्मपुत्र साहित्य सभा के तत्वाधान में समन्वय पुरुष स्वर्गीय छगनलाल जैन की शतबार्षिक समारोह शाखा अध्यक्ष दिनकर कुमार की अध्यक्षता में गुवाहाटी प्रेस क्लब के प्रेक्षागृह में मनाया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में कामरूप जिला साहित्य सभा की अध्यक्षा सविता देवी, मुख्य प्रवक्ता के रूप में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अवसर प्राप्त प्रोफेसर भूपेंद्र राय चौधरी ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ शाखा अध्यक्ष दिनकर कुमार, वरिष्ठ पत्रकार विनोद रिंगानिया, स्वर्गीय छगनलाल जैन के पुत्र डॉ. प्रदीप जैन उपस्थित थे। शाखा सचिव सौरव बोथरा के संचालन में अतिथियों का सम्मान किया गया। दिनकर कुमार के स्वागत संबोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। वरिष्ठ पत्रकार विनोद रिंगनिया ने अपने

संबोधन में कहा कि 1924 सन में जन्मे छगनलाल जैन का 9 फरवरी 2024 को उनके जन्म के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में उनका शतवार्षिक समारोह मनाया जा रहा है। स्वर्गीय छगनलाल जैन का असम साहित्य सभा के साथ काफी लगाव था। अत: ब्रह्मपुत्र साहित्य साहित्य सभा ने इस समारोह का आयोजन किया है। डॉक्टर प्रदीप जैन और कवि, साहित्यकार किशोर काला ने भी अपना वक्तव्य दिया।

आचार्य श्री ससंघ का मंगल विहार गुवाहाटी से विजयनगर की ओर

गुवाहाटी। सहयोग होता है एक महीने का, 2 महीने का, 3 महीने का, गुवाहाटी वालों को पूरे 9 महीने का सहयोग मिला है। 11 जून को आए थे, 11 फरवरी को जा रहे हैं। वह भी 11 यह भी 11 सब काम 11 ही 11 होगा। अब 21 बाद में हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मैं यहा संसघ के साथ आया था तो मैंने चार पंक्तियां बोली थी। आज अपरिचित हूं, कल परिचित सा लगूंगा। आज हूं सपना, कल अपना सा लगूंगा। मानो या न मानो इस हकीकत को मित्रों, आज हूं नया-नया, कल पुराना सा लगूंगा। यह उक्त बातें भगवान महावीर धर्मस्थल में उपस्थित आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को अपना मंगल आशीष प्रदान कर आशीर्वाद दिया। मालूम हो कि आचार्य श्री ससंघ रविवार को दोपहर 1:30 बजे भगवान महावीर धर्मस्थल से धर्मसभा उपरांत विहार कर 7 किमी. की पदयात्रा करते हुए पांडू मंदिर पहूंचे।

शाकंभरी भक्त मंडल का वार्षिक उत्सव सोल्लास संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। शाकंभरी परिवार की सौजन्य से श्री शाकंभरी भक्त मंडल गुवाहाटी के तत्वाधान में 22 वां वार्षिक महोत्सव सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित

संध्या व मंगल पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें असंख्य महिलाओं ने लाल चुनडी ओढ़ कर शाकंभरी माता का मंगल पाठ का वाचन किया। मंगल पाठ में मुख्य वाचक के रूप में नागपुर के उज्जवल खाकोलिया ने संगीतमय मंगल पाठ वाचन किया। इस आयोजन में भजनों की श्रृंखला में गुवाहाटी के जरनैल सिंह, जगदीश महतो, अनूप शर्मा ने भजन प्रस्तुत किया। उनके भजनों पर श्रोताओं में भाव भक्ति से झूमकर नृत्य भी किया। मां शाकंभरी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर महा आरती की गई एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

वुमानियाज का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गठित वुमानियाज के तीसरी वर्षगांठ पर रंगारंग कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में जानी मानी फैशन डिजाइनर पायल चड्ढा, अबयोब भुइयां, आरजे मैंडी, आरजे सुष्मिता, निशा हजारिका, रागनी अग्रवाल आदि उपस्थित थी। वुमानियाज की संस्थापक दिव्या सियोटिया, नीता शर्मा व नूपुर अग्रवाल ने तीसरी वर्षगांठ की सभी को शुभकामनाएं देते हुए आमंत्रित अतिथियों व सदस्याओं का स्वागत किया। तत्पश्चात सदस्याओं के लिए पोप अप व ओपन नेटवर्किंग का आयोजन किया गया। वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मौके पर वुमानियाज की ओर से विभिन्न श्रेणियों में करीब 40 सदस्यों को उनके

उल्लेखनीय सहयोग हेतु ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। समारोह के बीच बीच में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें इंडियाज गॉट टैलेंट के सेमीफैनिलिस्ट इनसेन डांस अकादमी के बच्चों द्वारा रामायण पर नृत्य किया गया। वहीं शायरी व रवि अग्रवाल की स्टैंडअप कॉमेडी का भी सभी ने आनंद उठाया। इस अवसर पर लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया, जिसमे विजेता को कई आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थापिका दिव्या सियोटिया ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में वुमानियाज ने अपने एक अलग पहचान बना ली है, जिसके पीछे संस्था की सभी सदस्याओं की कड़ी मेहनत व उनका योगदान है। महिलाओं व सदस्याओं की जिदंगी बदलने में वुमानियाज महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। संस्थापिका नीता शर्मा ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह में बड़ी संख्या में सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थापिका नूपुर अग्रवाल ने बताया कि वुमानियाज मैं घरेलू कामकाजी महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया है, जिससे वे लोग स्वलंबी बनकर आज अपनी एक अलग पहचान बन चुकी है। समारोह को सफल बनाने में वुमानियाज की सिटी हेड स्वीटी अग्रवाल, सिटी प्रभारी जानवी बजाज, सुपरवाइजर प्रमुख डॉ. प्रेरणा अग्रवाल सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

सौमित्रम की दो पुस्तकों का विमोचन

गुवाहाटी। स्थानीय श्रीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में आज पेशे से पत्रकार एवं हृदय से कवि सौमित्रम की दो पुस्तकों का विमोचन हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉटन कॉलेज के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉटन कॉलेज की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. छाया भट्टाचार्य उपस्थित थीं। इनको फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया इस दौरान मालविका राय मेधिदास एवं हेमलता गोलछा भी मंच पर आसीन थीं। उक्त कार्यक्रम में सौमित्रम द्वारा लिखित पुस्तक असम के विशिष्ट हिंदीभाषी व्यक्तित्व तथा सौमित्रम द्वारा संपादित साझा काव्य संग्रह लोहित मंथन का विमोचन हुआ। इस अवसर पर डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन ने कहा कि आजकल असम में हिंदी भाषा को लेकर कम संख्या में पुस्तकें लिखी जा रही हैं। पुस्तक लेखन एवं प्रकाशन के प्रति सौमित्रम सतत प्रयासरत हैं, यह असम में हिंदी के भविष्य के लिए शुभ संकेत है।

टैक्स बार एसोसिएशन ने अंतरिम बजट, जीएसटी, इनकम टैक्स और एमएसएमई पर सेमिनार का आयोजन किया

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने कल लोहिया लायंस गौहाटी ऑडिटोरियम, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी में अंतरिम बजट, जीएसटी, आयकर और एमएसएमई पर एक पूरे दिन का सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार की शुरुआत सेमिनार समिति के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश अग्रवाला के स्वागत भाषण से हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सेमिनार के विषयों के महत्व पर प्रकाश डाला। पहले तकनीकी सत्र में, कोलकाता के सीए शुभम खेतान ने अंतरिम बजट 2024 में प्रस्तावित जीएसटी कानूनों में संशोधनों के बारे में बताया। उन्होंने अपने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के साथ जीएसटी कानूनों के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट, नोटिस, अपील और संशोधन से संबंधित प्रावधानों को समझाया। दोपहर के भोजन के बाद दूसरे तकनीकी सत्र में, कोलकाता के सीए आयुष गोयल ने अंतरिम बजट 2024 में प्रस्तावित आयकर कानूनों में संशोधनों के बारे में बताया। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष से लागू एमएसएमई प्रावधानों के ज्वलंत मुद्दे को भी समझाया। दोनों वक्ताओं ने अपने-अपने विषय पर शानदार ढंग से बात रखी, जिसे प्रतिनिधियों ने खूब सराहा। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का भी उत्तर दिया और कानून के प्रावधानों के बारे में बताया। सेमिनार का समापन सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र से लगभग 150 पेशेवरों और व्यापारियों ने सेमिनार में भाग लिया और वक्ताओं की विशेषज्ञता से लाभान्वित हुए। प्रतिनिधियों ने प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार की व्यवस्था के लिए एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। सेमिनार आयोजन समिति में अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा, सचिव सीए गोपाल सिंघानिया और सेमिनार कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश अग्रवाला शामिल थे। एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि चालू वित्तीय वर्ष से लागू नए एमएसएमई प्रावधानों का असर लगभग सभी व्यवसायों पर पड़ेगा। इसके अलावा, वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए जीएसटी थोक नोटिस के बाद, कई मामलों में, हम सभी को अपील दायर करनी होगी। इन्हीं ज्वलंत मुद्दों को ध्यान में रखते हुए टैक्स बार एसोसिएशन ने इस सेमिनार का आयोजन करने का निर्णय लिया।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला जारी है। सुरक्षा बलों ने रविवार को पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया, जिसमें भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुए। मणिपुर पुलिस के मुताबकि, अभियान के दौरान पांच 2 इंच मोर्टार शेल, पांच एचई-36 हैंड ग्रेनेड, एक टियर स्मोक ग्रेनेड, एक टियर स्मोक शेल, दो टियर स्मोक शेल सॉफ्ट नोज (एसआर), रबर के साथ एक 38 मिमी कार्टिज, एक देश में निर्मित मोर्टार शेल, दो मैगजीन के साथ एक 9 मिमी सीएमजी, एक 7.65 मिमी पिस्तौल ब्राउनिंग का पेटेंट, एक रिवॉल्वर (देश में निर्मित), एक एयर गन और एक एचटीआरएफ वॉकी टॉकी राज्य के थौबल जिले से बरामद किए गए।

जंगल में लगी आग को एसएसबी ने बुझाया

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के सीमा चौकी नहारानी से लगभग 500 मीटर दूर जंगल में लगे आग के धुआं देखते ही सीमा चौकी के सहकारी प्रभारी एवं त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने घटना पर पहुंचकर आग को बुझाया। इस दौरान सहकारी प्रभारी, नहरानी ने सरलपाड़ा एवं सहकारी दादगिरी को भी सूचित किया। इसके बाद सरलपाड़ा और दादगिरी के एसएसबी जनावों ने पानी टंकी के गाड़ी एवं फायर एक्सटिंग्विशर एबीसी व आग बुझाने के सामान के साथ घटना स्थल पर पहंचकर आग पर काबू पाया गया। इस संदर्भ में डीएफओ, हल्दुगांव एवं एसीएफ कोकराझाड़ को भी सूचित किया गयाष जिससे वन विभागकर्मियों भी घटना स्थल पहुंच गई और जंगल में लगी आग को बुझाई तथा बड़ी मात्रा में जान माल का नुकसान होने से बचा लिया। वहीं ग्रामीणों ने एसएसबी के इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

होजाई : गौरव शगुन मोर सम्मानित

होजाइ (विभास)। असम लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुई होजाई मारवाड़ी समाज की शगुन मोर का होजाई मारवाड़ी पंचायती द्वारा आज अभिनंदन किया गया। मारवाड़ी पंचायती के अध्यक्ष लावण्या अगरवाला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि दलने उसके आवास पर जाकर असमिया फूलम गमछा, अभिनंदन पत्र, खराई, उपहार व मिठाई देकर सामान व उत्सवर्धन किया। इस दौरान उसके माता-पिता रेखा-मोहन मोर व उनकी बड़ी मां सपना मोर का भी सामान किया गया। इस दौरान मारवाड़ी पंचायती के सभी सदस्यों ने कहा कि शगुन ने समाज का नाम रोशन कर आने वाली पीढ़ी के लिए एक मिसाल पेश की है। सबों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते

हुए आशीर्वाद दिया। प्रतिनिधि दल में मारवाड़ी पंचायती के उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, सचिव रमेश मुंदडा,कोषाध्यक्ष मनीष बेरीवाल, मनोज शर्मा, ललित बोड़ा, मनोज केजरीवाल, प्रवीण सरावगी उपस्थित थे। उल्लेखयोग्य है, कि लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वर्ष 2022 की परीक्षा में शगुन ने खंड विकास अधिकारी का पद अर्जित किया है।

रेनो ने नए फीचर के साथ क्विड, ट्राइबर व काइगर को किया लांच

गुवाहाटी। रेनो इंडिया ने बरसजाई स्थित रेनॉल्ट गुवाहाटी सिटी शोरूम में 'रेनोल्यूशन इंडिया 2024' के साथ अगले 3 वर्षों के लिए अपनी तीनों पॉपुलर कार क्विड, ट्राइबर और काइगर को भारी अपडेट्स के साथ गुवाहाटी में लांच किया है। रेनो इंडिया के अधिकारियों ने शोरूम में एक कार्यक्रम के दौरान रेनो इंडिया की नई लांच ेज और अनाउंसमेंट के बारे में विस्तार से बताया। रेनो इंडिया के आगामी 5 प्रोडक्ट्स में पूरी तरह से नए मॉडल और काइगर और ट्राइबर की नेक्ट्आट जनरेशन शामिल हैं। फिलहाल क्विड, काइगर और ट्राइबर में प्राइस और फीचर्स के लिहाज से बहुत कुछ तब्दीलियां की गई हैं। 2024 रेनो क्विड क्लाइम्ब और तीन नए डुअल-टोन बॉडी कलर ऑप्शन के साथ आई है। अब इसके कुल 5 डुअल-टोन हो गए हैं। ग्राहकों के लिए जरूरी सुविधा को बढ़ाते हुए आरएक्सेएल (ओ) वैरिएंट में 8 इंच का

टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। 2024 क्विड रेंज ने आरएक्ससएल(ओ) ईजी-आर एएमटी वैरिएंट पेश किया है, जो इसे भारतीय बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती ऑटोमैटिक कार है। इसमें काफी सारे सेफ्टी फीचर्स भी जोड़े गए हैं। अपडेटेड क्विड की एक्स शोरूम प्राइस 4,69,500 लाख रुपए से शुरू होकर 6,32,500 लाख रुपए तक जाती है। नई 2024 रेनो ट्राइबर रेंज की नई खूबियों की बात करें तो इसमें ड्राइवर सीट आर्मरेस्ट, पावरफोल्ड आउटसाइड रियर-व्यू मिरर, 7 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्ज समेत कई और फीचर्स शामिल किए गए हैं। ट्राइबर को अब स्टील्थ ब्लैक बॉडी कलर के साथ भी पेश किया गया है। इसका आरएक्सटी वेरिएंट अब एक रियर व्यू कैमरा और एक रियर वाइपर के साथ आता है। वहीं, आरएक्सएल वेरिएंट में रियर एसी के साथ डेडीकेटेड एसी कंट्रोल दिए हैं। इसके सभी वेरिएंट में अब रियर सीटबेल्ट रिमाइंडर की सुविधा दी गई है। अपडेटेड ट्राइबर की एक्स शोरूम प्राइस 5,99,500 रुपए से शुरू होकर 8,74,500 रुपए तक जाती है। नई 2024 रेनो काइगर में अब सेमी-लैदरेट सीट्स, लेदरेट स्टीयरिंग व्हील, ऑटो फोल्ड ओआरवीएम, बेजल-लेस ऑटोडिम आईआरवीएम, टर्बो इंजन पर रेड ब्रेक कैलिपर समेत कई और खूबियां हैं। इसके अलग-अलग वेरिएंट में और भी बहुत कुछ खास दिया गया है। सभी वैरिएंट में अब रियर सीटबेल्ट रिमाइंडर की सुविधा है। इसके साथ ही नई काइगर 15 से ज्यादा सिक्यॉरिटी फीचर्स भी हैं। अपडेटेड काइगर की एक्स शोरूम प्राइस 6 लाख रुपए से शुरू होकर 11 लाख रुपए तक जाती है।

संपादकीया

समान नागरिक संहिता का हो स्वागत

उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करके इतिहास रचने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता को लागू करनेवाला पहला राज्य होगा। असम और गुजरात भी उत्तराखंड की भाँति जल्द ही समान नागरिक संहिता लागू कर सकते हैं। उत्तराखंड के इस निर्णय का अन्य सभी राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। समान नागरिक संहिता को लागू करना समय की माँग भी है और यह संविधान एवं संविधान निर्माताओं की भावनाओं का पालन भी है। संविधान निर्माताओं को उसी समय सत्ता का सहयोग मिला होता, तो प्रारंभ से ही देश में अलग-अलग संप्रदायों के लिए अलग-अलग कानून की व्यवस्था नहीं होगी। कानून की दृष्टि में सब समान होते। किंतु, कतिपय कारणों एवं नेतृत्व की तुष्टीकरण की नीति के चलते संविधान सभा उस समय इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं कर सकी। हालांकि, उसने संविधान में नीति-निर्देशक तत्वों के रूप में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया है। इसका अर्थ है कि संविधान सभा चाहती थी कि भविष्य में समान नागरिक संहिता लागू हो। निस्संदेह, यह निर्णय वहीं सरकार ले सकती है जो सब पंथों को लेकर समान दृष्टि रखती हो, जिसकी सोच संकीर्ण तुष्टीकरण की राजनीति से ऊपर हो, जो सरकार साहसी हो। उम्मीद है कि अगले कार्यकाल में केंद्र सरकार संपूर्ण देश में समान नागरिक संहिता लागू करे। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा है कि उनका तीसरा कार्यकाल बड़े निर्णयों वाला रहेगा। समान नागरिक संहिता का निर्णय ऐसा ही बड़ा निर्णय है, जिसको लागू करने की माँग लंबे समय से की जा रही है। यह तो मानना ही होगा कि देश में यदि समान नागरिक संहिता को कोई लागू कर सकता है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार ही है। भाजपा नीति-निर्माण बनाने में सांप्रदायिक दृष्टिकोण को एक ओर रख देती है। सही अर्थों में समान नागरिक संहिता एक सेकुलर और संविधान सम्मत कार्य है। परंतु मजेदार बात यह है कि जो अपने माथे पर सेकुलरिज्म का ठप्पा लगाकर चलते हैं, जो गाहे-बगाहे संविधान की रक्षा की दुहाई देते हैं, उसे ही सबसे अधिक कष्ट समान नागरिक सहिता से है। क्या सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का निर्णय सांप्रदायिक है? सांप्रदायिक प्रावधान तो वास्तव में यह है कि हम संप्रदाय के आधार पर कानून की व्यवस्था दें। कानून की नजर में तो सब समान होने चाहिए। समान नागरिक संहिता महिलाओं के अधिकार एवं सम्मान को भी सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन हैरानी है कि अपने आपको महिला हितों के लिए आवाज उठानेवाले संगठन एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी समान नागरिक संहिता को विरोध करने के लिए आगे आ जाते हैं। इससे साफ होता है कि वास्तव में इस प्रकार के लोग सेकुलरिज्म, संविधान और महिला एवं बाल अधिकारों के नाम पर अपनी दुकाने चला रहे होते हैं। विदेशी संस्थाओं से फंड लेते हैं और उनके इशारे पर नाचते हैं। जब वास्तव में महिला अधिकारों की बात आती है, तो उसका स्वागत करने की बजाय या तो चुप्पी साध लेते हैं या फिर किसी के इशारे पर उसका विरोध करते हैं। भाजपा की प्रशंसा करनी होगी कि वह एक-एक करके अपने उन सब वायदों को पूरा करती नजर आ रही है, जिनके आधार पर जनता ने उसके प्रति विश्वास व्यक्त किया और उसे जनादेश दिया। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि न्यायालय की ओर से भी कई अवसरों पर समान नागरिक संहिता की आवश्यकता बताई जा चुकी है। उत्तराखंड सरकार की सराहना करनी चाहिए कि उसने एक आवश्यक कदम उठाने का साहस दिखाया है। निःसंदेह, अन्य राज्य भी समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए आगे आएंगे।

> असम और गुजरात भी उत्तराखंड की भाँति जल्द ही समान नागरिक संहिता लागू कर सकते हैं। उत्तराखंड के इस निर्णय का अन्य सभी राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। समान नागरिक संहिता को लागू करना समय की माँग भी है और यह संविधान एवं संविधान निर्माताओं की भावनाओं का पालन भी है। संविधान निर्माताओं को उसी समय सत्ता का सहयोग मिला होता, तो प्रारंभ से ही देश में अलग-अलग संप्रदायों के लिए अलग-अलग कानून की व्यवस्था नहीं होगी। कानून की दृष्टि में सब समान होते। किंतु, कतिपय कारणों एवं नेतृत्व की तुष्टीकरण की नीति के चलते संविधान सभा उस समय इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं कर सकी। हालांकि, उसने संविधान में नीति-निर्देशक तत्वों के रूप में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया है। इसका अर्थ है कि संविधान सभा चाहती थी कि भविष्य में समान नागरिक संहिता लागू हो। निस्संदेह, यह निर्णय वहीं सरकार ले सकती है जो सब पंथों को लेकर समान दृष्टि रखती हो, जिसकी सोच संकीर्ण तुष्टीकरण की राजनीति से ऊपर हो, जो सरकार साहसी हो। उम्मीद है कि अगले कार्यकाल में केंद्र सरकार संपूर्ण देश में समान नागरिक संहिता लागू करे। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा है कि उनका तीसरा कार्यकाल बड़े निर्णयों वाला रहेगा। समान नागरिक संहिता का निर्णय ऐसा ही बड़ा निर्णय है, जिसको लागू करने की माँग लंबे समय से की जा रही है।

पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास से विपक्षी खेमे में काफी बेचैनी दिखाई दे रही है

डॉ. आशीष वशिष्ठ

> पीएम मोदी के चेहरे और भाषणों में झलकता आत्मविश्वास विपक्ष की बेचैनी का बड़ा कारण है। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। वास्तव में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गत 5 फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण देते हुए कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल 1,000 सालों की नींव रखने का काम करेगा और उसमें बहुत बड़े फ़ैसले होंगे। बीती 2 फरवरी को 'इंडिया मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' के उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की योजनाओं के बारे में बताया। जैसे ही पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल की बात की तो लोग लगातार तालियां बजाने लगे। इसके बाद पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है। 26 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में नए इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम के उदघाटन के अवसर पर अपने भाषण में कहा कि, मेरे तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी के चेहरे और भाषणों में झलकता आत्मविश्वास विपक्ष की बेचैनी का बड़ा कारण है। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। वास्तव में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में ही नहीं, बल्कि उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी वर्ष में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश अंतरिम बजट से न केवल सरकार का आत्मविश्वास झलकता है कि वह अपने कार्यों के बल पर ही तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी, बल्कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के उसके संकल्प का परिचय भी मिलता है। यह एक ऐसा अंतरिम बजट है, जिसमें सरकार ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई लोकलुभावन घोषणा नहीं की। ध्यान रहे 2019 के अंतरिम बजट में कई लोकलुभावन घोषणाएं की गई थीं। इस

बार ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसका मतलब है कि सरकार मानकर चल रही है कि जनता को उस पर भरोसा है कि वह देशहित में सही दिशा में काम कर रही है। विकास की राजनीति का यह एक नया उदाहरण है। जब सामने लगातार तीसरी पारी की लड़ाई का मैदान सज रहा हो और यह अपेक्षा हो कि लोकलुभावन घोषणाओं का तड़का लगेगा, तब नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय व समानता के अवसर पैदा करते हुए भविष्य के विकसित भारत का संकल्प दोहराना यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में वापसी का विश्वास लबालब है। पीएम मोदी लोकलुभावन घोषणाओं के जरिए नहीं बल्कि अपने दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड, जो कहा सो पूरा किया के नारे के साथ ही जनता से समर्थन चाहते हैं। मोदी-2 की सरकार ने आते ही जम्मू कश्मीर से धारा 370 की विदाई कर दी। राम मंदिर का रास्ता साफ किया और सीएए, एनआरसी जैसे कानून लेकर आई। मोदी-2 कार्यकाल की विदाई के चार महीने पहले अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी की मार से बाहर निकले हैं। ग्रामीण स्तर पर वह सारी सुविधाएं पहुंच रही हैं जो पहले छोटे शहरों तक में उपलब्ध नहीं था। बीमारी हर साल पुनः गरीबी के चपेट में आने का बड़ा कारण रहा है लेकिन आयुष्मान योजना ने उस दशा में परिवर्तन ला दिया। सड़क, रेल और हवाई यातायात का परिदृश्य बदल रहा है, मैन्यूफैक्चरिंग के कारण रोजगार के नए नए रास्ते खुले हैं। लोगों की औसत आय में 50 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है और सामान्य रूप से यह विमर्श बना है कि देश बदल रहा है, आने वाले समय में दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश आत्मविश्वास से भर रहा है और गौरव से भर रहा है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारत्मकता, आशा, भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बने माहौल को देखते हुए केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन में यह संभावना जताने के साथ ही कहा गया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में जीत ने पार्टी की ताकत को और बढ़ाया ही है। अखबार में हन्ना एलिस पीटरसन की तरफ से लिखे गए कॉलम में कहा गया है कि तीन राज्यों की जीत लोकसभा में भाजपा की संभावनाओं को और मजबूत करने वाली है। यही वजह है कि पीएम मोदी खुद इस विधानसभा चुनावों की जीत को 2024 में जीत की गारंटी बता चुके हैं। लेख में कहा गया है कि विपक्षी दलों की तरफ से कुछ ही माह पहले बनाया गया गठबंधन इंडिया ब्लॉक भले ही सामूहिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताता रहा हो लेकिन वह अभी भी एकजुट नहीं हो पाया है। प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास के पीछे का कारण केवल खोखली राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। इसके ठोस कारण हैं। पिछले दस वर्षों में जिस तरह से अलग अलग क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भर हुआ है, उसने यह शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी है। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर भारत की उत्पादकता बढ़ी है बल्कि उसने कई क्षेत्रों में निर्यात भी शुरू किया है। अब से कुछ दशक पहले भारत हर छोटी बड़ी चीज के लिए विश्व के उन देशों का भी मुंह ताकत रहा, जो किसी न किसी तरीके से अपना हित साधने के लिए तमाम अंतरराष्ट्रीय उठापटक के लिए जिम्मेदार होते थे। मोदी सरकार की नीतियों ने ऐसे देशों की शक्ति और वर्चस्व वास्तव में कम की है और भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर विश्व पटल पर खड़ा किया है। आज विश्व के तमाम बड़े, शक्तिशाली और उन्नत देश भी भारत की बढ़ती शक्ति, वर्चस्व और प्रभाव को स्वीकार रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने अपने कार्यों के दम पर समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका उत्तर देशवासियों को देना होगा।

दृष्टि कोण

आखिर ट्रूडो को परेशानी क्या है, महाशक्तियों से रिश्ते बिगाड़ चुका है उनका यह मिजाज

रामायण में भगवान राम के भरोसेमंद सखा हनुमान जी को अपनी महान शक्ति को भूलने का श्राप मिला है। भालुओं के राजा जामवंत उन्हें याद दिलाते हैं और बाकी की कहानी सब जानते हैं। इसमें संदेह नहीं कि शताब्दी के तीसरे दशक में भारत अच्छाई की शक्ति के रूप में उभर रहा है और इसकी प्रतिष्ठा आसमान छू रही है। न केवल इसकी अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है, बल्कि इसकी वैज्ञानिक क्षमता और नए डिजिटल भविष्य की दिशा में इसका नेतृत्व भी स्पष्ट है। विकासशील दुनिया भारत के नेतृत्व को स्वीकार करती है और उसका अनुकरण भी करना चाहती है। शक्तिहीन होती पाश्चात्य शक्तियां इससे भयभीत हैं। भारत की नीति हमेशा स्वतंत्र एवं स्वायत्त रही है। जाहिर है, खुद को ब्रह्मांड का मालिक मानने वाले देश हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। चूंकि अब कोई जामवंत नहीं है, नशे के आदी विदूषकों के राजा (ट्रूडो) ने, जो वैश्विक मंच पर जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है, अपनी खुफिया सेवाओं को भारत के खिलाफ हास्यास्पद आरोप लगाने का फरमान जारी किया। सबसे पहले उसने यह बेतुका आरोप लगाया कि भारत ने उसके वफादार व्यक्ति की हत्या कर दी है। उसने दुनिया भर को इसके बारे में बताया। लेकिन जब उसका ज्यादा असर नहीं हुआ, तो उन्होंने अपनी खुफिया

सेवाओं को भारत पर कनाडा के चुनाव में हस्तक्षेप करने और उसकी लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट करने की योजना बनाने के आरोप लगाने का आदेश दिया। कोई पूछ सकता है कि इसका सबूत क्या है? खैर, कनाडा में भारतीय प्रवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो भारत-हितैषी उम्मीदवारों को वोट दे सकता है। वे भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक हैं और कनाडा के कानून के तहत ही उन्हें कनाडाई नागरिकता मिली है। लेकिन ट्रूडो विलाप करते हुए कहते हैं, 'हम कानून के राज में विश्वास करते हैं, लेकिन गैर-श्वेत कनाडाई लोगों ने अब तक कनाडाई झंडे को नहीं अपनाया है।' लेकिन ट्रूडो ने क्या कभी इसकी वजह सोची है? कनाडा भारतीय मूल के प्रवासियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। हालांकि विदूषक ट्रूडो शेखी बघारते हैं कि वे लोकतांत्रिक और सबको समान अवसर देने वाले लोग हैं, पर वास्तविकता में वे नस्लवादी हैं। कनाडा एक छोटी शक्ति वाला बड़ा देश है, और उसे सम्मान व प्रशंसा पाने की प्रबल इच्छा है। इसलिए वह अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी नाक घुसेड़ता है, और विवेकशील लोग उसकी आंखों में खटकने लगते हैं। तमिल विद्रोह के दौरान कनाडा ने श्रीलंका पर मानवाधिकारों के उल्लंघनों के बारे में खूब शोर मचाया, जवाब में, श्रीलंका ने भी लिट्टे आतंकवादियों को शरण देने का उन पर आरोप लगाया। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवादियों को कनाडा में सुरक्षित पनाहगाह मिल गई है और वह भारत के खिलाफ ट्रूडो की टिप्पणियों से 'हैरान नहीं' हैं, क्योंकि 'अपमानजनक और बेबुनियाद आरोप' लगाना उनकी आदत है। विदूषक ट्रूडो पाकिस्तान (खासकर बलूचिस्तान और खैबर क्षेत्र) में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के बारे में चुप हैं, क्योंकि प्रमुख कनाडाई कंपनियां वहां खनन में शामिल हैं। 1980 के दशक में एक कनाडाई खनन कंपनी बंद हो गई, जब यह साबित हुआ कि इंडोनेशिया में सोने के विशाल भंडार की खोज के बारे में उसने बेशर्मी से झूठ बोला था। अपने सहयोगियों के समर्थन के बिना कनाडा की सेना भूटान जितनी ही मजबूत है। उसने यूक्रेन से जिन हथियारों का वादा किया, वह अब तक बन भी नहीं पाए हैं। आधुनिक इतिहास में पहली बार एक संपन्न, बड़े और कम आबादी वाले पश्चिमी देश के प्रधानमंत्री ने सबसे ताकतवर विकासशील देश से अपने रिश्ते को यह आरोप लगाकर खत्म कर दिया कि उसने, उसके सबसे प्रिय आतंकवादी, जो भारतीय मूल का कनाडाई नागरिक था, की कनाडा की धरती पर हत्या कर दी। उन्होंने इस घटना को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बताया। लेकिन भारत ऐसा क्यों करना चाहेगा, उसे इससे क्या हासिल होगा? ट्रूडो इसका जवाब नहीं देंगे कि क्या वह व्यक्ति भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने और टेरर-फंडिंग में शामिल था, और क्या उसने कनाडा में असॉल्ट राइफल लहराते हुए अपने वीडियो पोस्ट किए थे? इसलिए भारत के विदेश मंत्री ने नवंबर, 2023 में लंदन में कहा कि कनाडा चाहता है कि हम उसकी धरती पर एक कनाडाई की हत्या की जांच में 'सहयोग' करें, लेकिन वह हमें यह भी बताने में असमर्थ है कि वह किस तरह के सहयोग की अपेक्षा करता है। कनाडा की अहंकारी विदेश मंत्री, जिसने भारत को धमकी दी थी कि वह आतंकी की हत्या में भारत की संलिप्तता के बारे में अपने सहयोगियों से बात करेंगी, अब भारत की प्रतिक्रिया से हिल गई हैं और भारत से निजी तौर पर इस मसले पर बात करना चाहती हैं। तो अब आगे क्या होगा? मैं पिछले पचास वर्षों से कूटनीति में हूं। राष्ट्रों के बीच भरोसा कायम करने में दशकों लग जाते हैं।

कुछ अलग

परीक्षा में नकल रोकने की साहसिक पहल

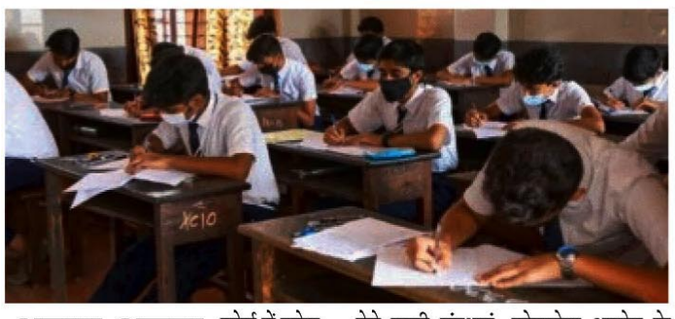

अलग-अलग कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा हो या नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया हो या फिर स्कूल और कॉलेज की नियमित रूप में होने वाली परीक्षा हो। नकल, धोखाधड़ी और गुंडागर्दी एक रूटीन का मामला बन गया है। अनेक तरह कोशिश के बाद भी इस अपराध पर अंकुश लगाना संभव नहीं हो पाया। नकल रोकने के प्रयास हिंसा या प्रतिशोध के कारण विफल रहे हैं । दबाव के आगे समर्थ भी खामोश रहते देखे जाते रहे हैं। परिस्थिति के दौरान गलत को सही और सही को गलत समझने का भ्रम अनुभव होता है। परीक्षा माफिया पर अब लगाम लगनी तय है। संसद द्वारा इस संबंध में कानून बनाया जाना सचमुच सही दिशा में एक भगीरथी प्रयास है। अचानक सब ठीक हो जाएगा ऐसा मानना थोड़ी जल्दबाजी होगी क्योंकि नासूर की जड़ बहुत ही गहरी है। लेकिन यह इस दिशा में एक मील का पत्थर और एक साहसिक एवं स्वागतयोग्य कदम है जो धीरे-धीरे इस क्षेत्र की भ्रष्ट प्रणाली में वांछित परिणाम देगा । प्रतियोगी परीक्षाओं में युवा सारे साधन झोंक देते हैं और कई बार तो स्वयं को आहत भी कर रहे हैं। कोटा जैसे संस्थान इसके उदाहरण हैं। उम्मीदवार के साथ साथ परिवार और पूरी व्यवस्था को अपूरणीय क्षति के दौर से गुजरना पड़ता है। यह राष्ट्रीय कलंक है। विगत वर्षों में कई राज्यों के राजनेता और अधिकारी इस तरह के भ्रष्टाचार में संलिप्त पाये गए हैं और जेल में हैं। नौकरी देने वाली संस्थाएं, लोकसेवा आयोग के मुखिया और सदस्यों सहित प्रभावशाली वर्ग की भूमिका संदेह के दायरे में रही है। आर्थिक संपन्न समूह का डंका बजता है जिस से सभी स्तर पर निराशापूर्ण माहौल पैदा होता है। यह कानून इस दिशा में युगांतकारी और आशातीत फल देगा ऐसा विश्वास किया जाना चाहिए।शिक्षण संस्थानों में इस समस्या के अलग आयाम हैं। यह कानून एक करोड़ रुपये जुर्माना और दस साल तक की सजा का प्रावधान करता है तथा संबंधित संस्थान की अयोग्यता को सस्पेंड करता है। इस तरह के नियम स्कूल और कॉलेज के लिए भी बनने चाहिए । नकल के खेल में उम्मीदवार, परीक्षक, अभिभावक यानी समाज, माफिया और कानून की एजेंसियां मुख्य किरदार रहते हैं। यह कानून इन सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा रखता है । कहीं एक, कहीं दो और कहीं सभी समूह की सहभागिता निश्चित परिणाम देने में सक्षम होगी ऐसा माना जाना होगा। नकल के स्वर्णिम सिद्धांत के अनुसार यदि अध्यापक चाहेगा तो नकल होगी यदि नहीं चाहेगा तो नहीं होगी लेकिन उसे परिवेश का वरदहस्त चाहिए क्योंकि उसे खामोश करने के बड़े रास्ते हैं जो माफिया समूह जानता है। इस कानून को पूरे देश में पूरी तन्मयता के साथ अपनाकर पूरी निष्ठा के साथ लागू किया जाएगा और युवावर्ग और देश की प्रतिभा के साथ न्याय करते हुए देश की उन्नति सुनिश्चित हो पाएगी तभी यह कानून अपनी दिशा में वरदान साबित हो सकता है।

देश दुनीया से

मंगल को पृथ्वी बनते देर नहीं लगेगी, भौतिकवादी तौर-तरीकों से उठीं कुछ आशंकाएं

प्राचीन काल से ही मंगल ग्रह एक मिथक की तरह मानवीय प्रेरणा और आकर्षण का केंद्र रहा है। अंतरिक्ष विज्ञानियों के लिए यह शोध का एक दिलचस्प विषय भी रहा है और परग्रहीय जीवन की खोज का एक वैध उम्मीदवार भी। 1960 के दशक से ही मंगल अंतरिक्ष अभियानों का एक लोकप्रिय गंतव्य रहा है। लेकिन अब पहली बार नासा ने निजी क्षेत्र से वाणिज्यिक मंगल मिशन पर प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इन मिशनों में लाल ग्रह पर विभिन्न पेलोड ले जाने से लेकर संचार सेवाएं प्रदान करने की बात हुई है, पर अंतरिक्ष यात्रियों को वहां भेजने पर अब तक कोई बात नहीं हुई है। मगर क्या लोग वाकई मंगल ग्रह पर जाना चाहते हैं? सवाल यह भी है कि लोगों को मंगल की धरती पर उतारने का सबसे अच्छा तरीका कौन-सा है? तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या हमें ऐसा करना चाहिए? 1960 के बाद से मंगल ग्रह पर अब तक करीब 50 मिशन भेजे जा चुके हैं, जिनमें से 31 कामयाब रहे हैं, जो बुरा औसत नहीं है। 2016 में शिआपरेल्ली लैंडर की दुर्घटना जैसी विफलताएं भी मिली हैं। इसमें संदेह नहीं कि इन मिशनों से मंगल ग्रह के बारे में प्रचुर जानकारियां प्राप्त हुई हैं। इसके वायुमंडल, कक्षा और भूविज्ञान के अलावा यहां की सतह से दरवाजों और चेहरे जैसी अद्भुत छवियां भी दिखी हैं। हालांकि वैज्ञानिक इन सभी छवियों को चट्टानें ही बता रहे हैं, लेकिन इस ग्रह को लेकर आम लोगों की बढ़ती रुचि से पता चलता है कि यह हमारी कल्पनाओं में किस कदर व्याप्त है। एक सामान्य अंतरग्रहीय अंतरिक्ष मिशन की लागत करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर होती है। यानी पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की तमाम अंतरिक्ष एजेंसियों ने मंगल ग्रह पर करीब 50 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए हैं और ये सिर्फ कैमरे, रोवर्स और लैंडर्स भेजने के लिए हैं, लोगों को वहां भेजना तो अगले स्तर की बात होगी। दशकों से नासा और दूसरी अंतरिक्ष एजेंसियों ने अंतरिक्ष मिशनों पर भारी रकम खर्च की है। लेकिन 2020 के दशक में अंतरिक्ष क्षेत्र में अन्वेषण को समृद्ध बनाने वाली तकनीकें वाणिज्यिक दुनिया में तेजी से विकसित हो रही हैं। इनमें से एक उदाहरण है एलन मस्क का स्पेस एक्स, जिसके कई उद्देश्यों में से एक है मंगल मिशन और अंतिम लक्ष्य है मानवता को अंतरग्रही बनाना। जहां नासा का दृष्टिकोण इन अंतरिक्ष परियोजनाओं को लेकर रूढ़िवादी रहा है, वहीं स्पेस एक्स बहुत सारे बदलाव तेजी से करता है और अपनी विफलताओं से जल्दी सीखता भी है। स्पेस एक्स अकेला नहीं है। खासकर अमेरिका में अंतरिक्ष तक पहुंच देने वाले वाणिज्यिक प्रदाताओं का उद्योग काफी तेजी से फल-फूल रहा है। ऐसा नहीं है कि नासा अपनी परियोजनाओं को बंद कर रहा है। वह सिर्फ वाणिज्यिक प्रदाताओं को जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। 20 साल पहले की तुलना में चीजें जिस तरह से बदली हैं, उसे देखते हुए यह कदम अपरिहार्य भी लग रहा था। महंगे अंतरिक्ष मिशनों को सस्ता और ज्यादा कुशल बनाने के लिए भी ऐसी पहलें जरूरी थीं। वाणिज्यिक क्षेत्र की कंपनियों को भी इससे प्रोत्साहन मिला है, जो अंतरिक्ष मिशनों को पूरा करने के लिए लगातार नव-प्रवर्तन कर रही हैं। हालांकि ये अभी बिल्कुल शुरुआती दिन हैं और व्यावसायिक दृष्टिकोण को खुद को साबित करना होगा। जैसा करीब सौ साल पहले एचजी वेल्स ने अपने उपन्यास द वार ऑफ वर्ल्ड्स में भी बताया था, मंगल ग्रह आधुनिक मानस में एक रहस्यपूर्ण और खतरे के स्थान के तौर पर देखा जाता है। इस पर कई फिल्में और टीवी शो भी बन चुके हैं। काफी कुछ लिखा भी जा चुका है। सवाल फिर भी वही है कि क्या मनुष्य को मंगल ग्रह की यात्रा करनी चाहिए? मस्क जरूर ऐसा करना चाहते हैं। 2010 के दशक में नीदरलैंड के एक स्टार्ट-अप मार्स-वन ने इस मामले में जरूर पहल की थी। इस स्टार्ट-अप ने मंगल ग्रह की यात्रा के इच्छुक 100 स्वयंसेवियों का चयन किया और 2019 में दिवालिया होने के पहले लाखों डॉलर कमा लिए। इससे पता चलता है कि समाज का एक ऐसा समृद्ध तबका है, जो मंगल ग्रह पर बसने की इच्छा भी रखता है। कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि दूसरे ग्रह को बिगाड़ने की जगह पहले अपने ग्रह को सुधारने की जरूरत है। वर्तमान सोच के साथ इंसान अगर मंगल पर बस भी जाता है, तो उसे भी वह पृथ्वी बनाते देर नहीं लगाएगा।

> अंतरिक्ष विज्ञानियों के लिए यह शोध का एक दिलचस्प विषय भी रहा है और परग्रहीय जीवन की खोज का एक वैध उम्मीदवार भी। 1960 के दशक से ही मंगल अंतरिक्ष अभियानों का एक लोकप्रिय गंतव्य रहा है। लेकिन अब पहली बार नासा ने निजी क्षेत्र से वाणिज्यिक मंगल मिशन पर प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इन मिशनों में लाल ग्रह पर विभिन्न पेलोड ले जाने से लेकर संचार सेवाएं प्रदान करने की बात हुई है, पर अंतरिक्ष यात्रियों को वहां भेजने पर अब तक कोई बात नहीं हुई है।

आप का नजरीया

पूनम के पब्लिसिटी स्टंट से जनभावना आहत

अभिनेत्री पूनम पाण्डेय जिन्दा है। भगवान करे अपनी मौत की अफवाह उड़ा सुर्खियां बटोरने वाली अदाकारा स्वस्थ-सकुशल रहे। लेकिन उसकी इस हरकत की जितनी भी निंदा की जाए कम है। सर्वाइकल कैंसर के नाम पर जागरुकता की आड़ में उसके इस भद्दे मजाक से कितने प्रशंसकों को धक्का लगा होगा इसका अंदाजा उसे नहीं। कैसे भूल गई कि वह एक भारतीय है। वह भावना प्रधान उस देश से है जहां लोग दिल से जुड़ते हैं, दिखावे से नहीं, उस जैसा छलावा नहीं करते। कभी उन्हें कैंसर जैसी भयानक बीमारी का सामना भी न करना पड़े। लेकिन उनकी हल्की सोच और जागरुकता की आड़ में खेले गए खेल ने कैंसर पीड़ितों और उनके लिए जुड़े-जुटे लोगों को कितना आहत किया है? इसका भी अंदाजा पूनम को नहीं होगा। अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए पहले किसी ने ऐसी जुर्रत की हो, याद नहीं आता। क्या पूनम की इस छिछोरे झूठ से वाकई में कैंसर की प्रति जागरुकता फैला पाएगी? कैंसर मरीजों या पीड़ित मानवता के प्रति इतनी ही हमदर्दी होती तो दूसरे चैरिटेबल काम कर आर्थिक मदद पहुंचाती। जागरुकता के लिए जहां-तहां अपने शो करती, जो कैंसर के खिलाफ और बचाव के लिए कारगर मुहिम होती। लेकिन ये क्या? उसने तो पूरे देश के साथ एक तरह से धोखा किया, वह भी अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए। यह माफी के काबिल नहीं हो सकता। पूनम कैसे भूल गई कि यह वो देश है जहां किरदार को भी भगवान की तरह पूजा जाता है। उसे कैसे याद नहीं कि लोकप्रिय सीरियल और फिल्मों के भगवान बने पात्रों को भी पूजा जाता है। इस हरकत से पहले कैसे भूल गई कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे अभिनेताओं की मौत से आहत न जाने कितने प्रशंसकों ने अपनी जान तक दे दी। यूं तो कई उदाहरण हैं पर एक ही यहां काफी है जहां दिग्गज तमिल अभिनेता से मुख्यमंत्री के मुकाम तक पहुंचे एमजी रामचंद्रन की 24 दिसंबर, 1987 को मृत्यु के बाद तमिलनाडु दहल उठा। हर कोई दुखी था और हाहाकार मचा हुआ था। लोग इतने आहत कि किसी ने अपनी नसें काट लीं तो किसी ने जहर पी लिया। कइयों ने अपनी उंगली और जीभ तक काट डाली। दुखी लोगों के एमजीआर घर के सामने रोने-चिल्लाने का रिकॉर्ड भी बना। माना कि यह एक सार्वजनिक उन्माद था जिसमें आत्महत्याओं के अलावा, एमजीआर की मौत के बाद भड़के लोगों पर हुई फायरिंग से 29 और मौतें भी हुईं। अच्छा हुआ कि फरेबी पूनम शोहरत के उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई, वरना उसकी यह खलनायकी कितनी भारी पड़ती? पूनम की हद दर्जे की ढिठाई देखिए। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए अपने जिंदा होने का सबूत खुद कुछ ही घण्टों में देती है कि उसे कैंसर नहीं है। उसने तो सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जागरुकता के लिए ऐसा किया। जिस सोशल मीडिया पर फैन उनकी मौत का गमजदा हो, अंतिम संस्कार का स्थान पता कर रहे थे, वही अब उसे ट्रोल कर रहे हैं।

किसानों को रोकने के लिए टीकरी बॉर्डर पर किए अभेद्य इंतजाम

झज्जर (हिंस)। किसानों के 13 फरवरी के दिल्ली कूच के आह्वान को ध्यान में रखते हुए दिल्ली व हरियाणा पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। दोनों सूबों को जोड़ने वाले बहादुरगढ़ के साथ लगते टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जा रहे है। ऐहतियातन तौर पर लोहे व सीमेंट के भारी भरकम बैरिकेड्स, कंटीली तारें व कंटेनर लगाए गए हैं। पांच लेयर की सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा सर्विलांस के लिए आधुनिक कैमरे और साउंड सिस्टम भी लगाए गए हैं। पुलिस दिल्ली में किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। एमएसपी की गारंटी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने जैसी मांगों को लेकर किसानों के 13 फरवरी से दिल्ली चलो के आह्वान का हालांकि झज्जर जिले में कोई असर नजर नहीं आ रहा। आंदोलनकारियों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए हरियाणा व दिल्ली पुलिस सक्रिय हो गई है। टीकरी बॉर्डर पर हरियाणा और दिल्ली की साइड में भारी भरकम कंटेनर और बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के दिल्ली आने की आहट से कामगारों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। टीकरी बॉर्डर और बहादुरगढ़ के आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि किसानों की मांग तो जायज है, लेकिन रास्ते रुकने से उनका काम प्रभावित हो जाएगा। दिल्ली पुलिस ने किसानों के संभावित आगमन को देखते हुए बॉर्डर पर बड़े बड़े साउंड सिस्टम और आधुनिक सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए हैं। सड़क के दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट के अलग अलग साइज के बड़े-बड़े बैरिकेड रखे गए हैं।

राजनीति से प्रेरित न होकर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्मान करती है भाजपा : मंत्री शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भाजपा राजनीति से प्रेरित न होकर व्यक्ति के व्यक्तित्व और गुणवत्ता का सम्मान करने वाली पार्टी है। रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे शेखावत ने भारत रत्न से जुड़े पत्रकारों के सवालों पर कहा कि भारत को कृषि की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने, देश की नई कृषि नीति के निर्माता और रचयिता डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न पुरस्कार देकर प्रधानमंत्री ने भाजपा का अन्नदाता के प्रति जो स्नेह और सम्मान है, उसको प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि दो पूर्व प्रधानमंत्रियों चौ. चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से

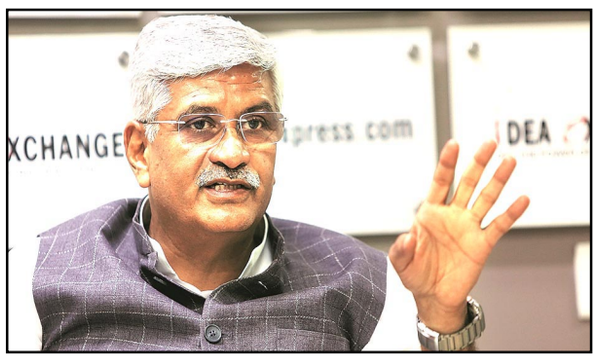

सम्मानित कर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने अपनी वैचारिक हृदय की विशालता का परिचय दिया है। पार्टी के गांव चलो अभियान के विषय में शेखावत ने कहा कि भाजपा के विचार को जन-जन तक पहुंचाने, मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिन लोगों को मिला है, उनसे संपर्क करने और जो लोग शेष रह गए हैं, उनकी पहचान करने के लिए यह अभियान बनाया गया है। राजस्थान में भाजपा सरकार के निर्णय को लोगों तक पहुंचाने और भाजपा सरकार बनाने में जिस तरह से लोगों ने सहयोग और समर्थन किया, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही, आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा का कमल एक बार फिर खिले, इसके लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव चलो अभियान में पार्टी के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता किसी न किसी गांव में 24 घंटे का प्रवास करेंगे। वहां रहकर लोगों से चर्चा करेंगे। वे स्वयं लोहावट विधानसभा क्षेत्र के रिडमलसर गांव में रात्रि प्रवास करेंगे।

किसानों को रोकने के लिए टीकरी बॉर्डर पर किए अभेद्य इंतजाम

झज्जर (हिंस)। किसानों के 13 फरवरी के दिल्ली कूच के आह्वान को ध्यान में रखते हुए दिल्ली व हरियाणा पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। दोनों सूबों को जोड़ने वाले बहादुरगढ़ के साथ लगते टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जा रहे है। ऐहतियातन तौर पर लोहे व सीमेंट के भारी भरकम बैरिकेड्स, कंटीली तारें व कंटेनर लगाए गए हैं। पांच लेयर की सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा सर्विलांस के लिए आधुनिक कैमरे और साउंड सिस्टम भी लगाए गए हैं। पुलिस दिल्ली में किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। एमएसपी की गारंटी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने जैसी मांगों को लेकर किसानों के 13 फरवरी से दिल्ली चलो के आह्वान का हालांकि झज्जर जिले में कोई असर नजर नहीं आ रहा। आंदोलनकारियों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए हरियाणा व दिल्ली पुलिस सक्रिय हो गई है। टीकरी बॉर्डर पर हरियाणा और दिल्ली की साइड में भारी भरकम कंटेनर और बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के दिल्ली आने की आहट से कामगारों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। टीकरी बॉर्डर और बहादुरगढ़ के आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि किसानों की मांग तो जायज है, लेकिन रास्ते रुकने से उनका काम प्रभावित हो जाएगा। दिल्ली पुलिस ने किसानों के संभावित आगमन को देखते हुए बॉर्डर पर बड़े बड़े साउंड सिस्टम और आधुनिक सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए हैं। सड़क के दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट के अलग अलग साइज के बड़े-बड़े बैरिकेड रखे गए हैं। सड़क पर बैरिकेड रखने के लिए क्रेन भी मौजूद हैं।

पुलिस दिल्ली में किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। एमएसपी की गारंटी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने जैसी मांगों को लेकर किसानों के 13 फरवरी से दिल्ली चलो के आह्वान का हालांकि झज्जर जिले में कोई असर नजर नहीं आ रहा। आंदोलनकारियों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए हरियाणा व दिल्ली पुलिस सक्रिय हो गई है। टीकरी बॉर्डर पर हरियाणा और दिल्ली की साइड में भारी भरकम कंटेनर और बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के दिल्ली आने की आहट से कामगारों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। टीकरी बॉर्डर और बहादुरगढ़ के आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का कहना है कि किसानों की मांग तो जायज है, लेकिन रास्ते रुकने से उनका काम प्रभावित हो जाएगा। दिल्ली पुलिस ने किसानों के संभावित आगमन को देखते हुए बॉर्डर पर बड़े बड़े साउंड सिस्टम और आधुनिक सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए हैं। सड़क के दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट के अलग अलग साइज के बड़े-बड़े बैरिकेड रखे गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी दौरे की तैयारियों ने जोर पकड़ा, अमूल डेयरी प्लांट का लोकार्पण करेंगे

लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रधानमंत्री का दौरा भाजपा संगठन के लिए बोनस से कम नहीं

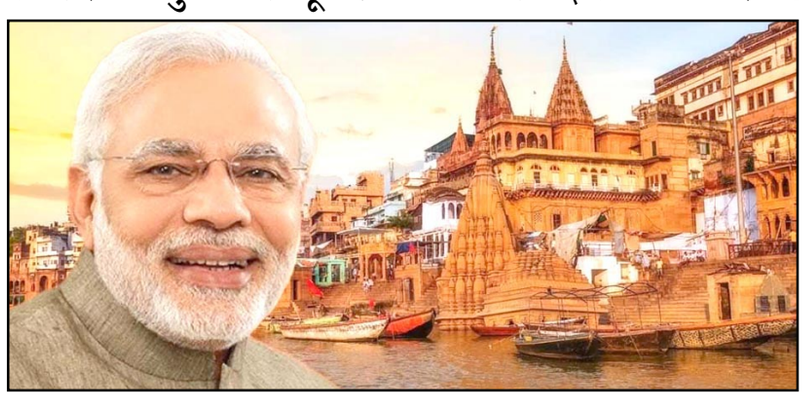

वाराणसी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह दिखने लगा है। भाजपा काशी क्षेत्र के पदाधिकारी प्रधानमंत्री के जनसभा में भीड़ जुटाने के लिए वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों में भी सक्रिय है। वाराणसी दौरे में प्रधानमंत्री मोदी छह हजार करोड़ की लगभग 30 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी दौरे में फूलपुर करखियांव में अमूल डेयरी प्लांट का लोकार्पण करेंगे। यहीं आयोजित जनसभा में प्लांट से जुड़े पूर्वांचल के 10 जिलों के किसानों को बोनस वितरित करेंगे। वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर कौशलराज शर्मा और अन्य अफसर करखियांव स्थित अमूल प्लांट का निरीक्षण कर चुके हैं। कमिश्नर ने जनसभा स्थल का निरीक्षण कर भूमि समतल कराने का निर्देश अफसरों को दिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी दौरा 21 से 24 फरवरी के बीच प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री वाराणसी दौरे में संत रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर भी जाएंगे। प्रधानमंत्री करखियांव में अमूल डेयरी प्लांट का लोकार्पण करेंगे। उससे जुड़े पूर्वांचल के 10 जिलों के किसानों को बोनस वितरित करेंगे। साथ ही, अमूल डेयरी प्लांट के समीप लगभग एक हजार करोड़ रुपए की परियोजना भेल के हाइड्रोजन प्लांट और वंदे भारत ट्रेन के पार्ट्स निर्माण यूनिट का शिलान्यास करेंगे। गौरतलब है कि अमूल प्लांट में साइलो के साथ ही प्रोसेसिंग पैकेजिंग चिलिंग ब्वॉयलर समेत लगभग शत प्रतिशत मशीनें इंस्टाल हो चुकी हैं। दुध, छाछ तथा दुग्ध उत्पादों से बनने वाले लाल पेड़ा, लौंगलता का निर्माण प्लांट में शुरू हो चुका है। प्लांट शुरू होने से वाराणसी समेत पूर्वांचल के लगभग एक लाख पशुपालकों को लाभ होगा। अमूल की ओर से चंदौली समेत आसपास के जिलों में दूध कलेक्शन प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे।

अखिलेश ने पिता के कारनामों के प्रायश्चित्त का आखिरी मौका भी गंवाया : साध्वी निरंजन

फतेहपुर (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर जिले में रविवार को एक अहम बैठक करके हुए कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियां में जुटने का आह्वान किया है। चाय पर चर्चा के तहत हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से जन-जन तक मोदी सरकार के विकास कार्यों पहुंचाने की अपील करते हुए साध्वी ने कहा कि भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल न होकर अखिलेश ने अपने पिता के कारनामों के प्रायश्चित्त का आखिरी मौका भी गंवा दिया है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम काफी समय से कांग्रेस में थे। संसद भवन के उद्घाटन के साथ-साथ राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भी पहुंचे थे। वह कांग्रेस की पोल पट्टी खोल रहे हैं। इसलिए कांग्रेस उनसे नाराज होकर उन्हें पार्टी से निकाल दिया है।

पंडित दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही नरेंद्र मोदी सरकार : बाबूलाल मरांडी

रांची/गिरिडीह (हिंस)। भाजपा ने रविवार को पूरे प्रदेश में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में बूथ स्तर पर मनाया। प्रदेश, जिला मंडल, बूथ के पार्टी पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र में दीनदयाल उपाध्याय के चित्र एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को गिरिडीह जिलांतर्गत राजधनवार में आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल असाधारण प्रतिभा के धनी महामानव थे। उन्होंने विश्व की अनेक विचारधाराओं पूंजीवाद, साम्यवाद, समाजवाद के बीच एकात्म मानववाद का सर्व ग्राह्य दर्शन दिया, जिसने आज विश्व को नई दिशा दी है। दीनदयाल के एकात्म चिंतन में व्यष्टि से समष्टि का चिंतन है। उनके अंत्योदय के चिंतन ने भारत को सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी विकास को सुनिश्चित किया। देश की नरेंद्र मोदी सरकार का सबका साथ, सबका विकास अंत्योदय का पर्याय है। मोदी सरकार गांव गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़ों को समर्पित है। विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चाहे जनधन हो, शौचालय निर्माण हो, पेंशन योजना हो, प्रधानमंत्री आवास हो, आयुष्मान कार्ड हो, गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, किसान सम्मान

निधि हो, सभी अंत्योदय आधारित हैं। भाजपा के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर रांची प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं. दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित कई कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया। मौके पर कर्मवीर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों ने विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत का काम किया है। दीनदयाल का जीवन राष्ट्रसेवा व समर्पण का विराट प्रतीक है। उनका मानना था कि कोई भी देश अपनी संस्कृति के मूल विचारों को भुलाकर प्रगति नहीं कर सकता। जब भी मानवता के कल्याण की बात होगी, पंडित जी के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत संपूर्ण मानवजाति को ध्रुव तारे की तरह मार्गदर्शित करेंगे।

क्या राम विरोधी ही कांग्रेस में रहेंगे : प्रमोद कृष्णम

संभल (हिंस)। कांग्रेस से निष्कासन के बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रेसवार्ता कर कहा कि क्या कांग्रेस में सिर्फ वही रह सकते हैं जो राम का अपमान करें। जो सनातन को मिटाने की बात करें। जो हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम करें। राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि निष्कासन बहुत छोटी चीज है। राम, राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन पर कोई समझौता नहीं कर सकता। कांग्रेस ने मुझे मुक्ति देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कि मौजूदा विपक्ष नरेंद्र मोदी से नफरत करते-करते भारत से नफरत करने लगा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पूछा कि क्या अयोध्या जाना और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना पार्टी विरोधी है। क्या राम का नाम लेना पार्टी विरोधी है। कांग्रेस बताए कि पार्टी विरोधी गतिविधियां क्या थीं। क्या कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास कराना पार्टी विरोधी है। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलना पार्टी विरोधी है। कांग्रेस ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को छ: साल के लिए निष्कासित किया है। इस पर उन्होंने कहा कि भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास दिया गया था तो एक रामभक्त को केवल छ: साल के लिए ही क्यों निकाला जा रहा है। मैं छात्र जीवन से करीब 17 वर्ष की आयु में स्व. राजीव गांधी से मिला था। तब से लेकर मैं कांग्रेस में रहा। राजीव गांधी को मैंने एक वायदा किया था। हमने कहा था कि हम आखिरी सांस तक कांग्रेस के साथ रहेंगे। आचार्य ने कहा कि बहुत से ऐसे मोड़ आए, बहुत से फैसले थे जिस पर मैं सहमत नहीं था। अनुच्छेद 370 और तीन तलाक के विषय पर कांग्रेस को विरोध नहीं करना चाहिए था। मैंने कहा था कि भारत की संसद का उद्घाटन भारत का प्रधानमंत्री नहीं करेगा तो क्या पाकिस्तान का प्रधानमंत्री करेगा।

लोगों ने जो ताकत दी है उससे हरियाणा में सरकार बदल देंगे : भूपेंद्र हुड्डा

पलवल (हिंस)। जिले के होडल की नयी अनाज मंडी में रविवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित जनआक्रोश रैली में भीड़ ने अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। वहां उमड़े जनसैलाब को देखकर उत्साहित नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्य मंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि लोगों ने जो ताकत दी है उससे हम हरियाणा में सरकार बदलने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के बारे में किसी को कुछ बताने की जरूरत नहीं है। लोग खुद भुगतभोगी हैं और परेशानी झेल रहे हैं। ऐसा कोई दिन नहीं बीतता जब कत्ल न हो, लूट, फिरौती की धमकी न मिलती हो। केंद्र सरकार के आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले 9 साल में हरियाणा सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। जो हरियाणा प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, नौकरी देने में, कानून व्यवस्था में नंबर-1 पर था, वो आज पूरे देश में बेरोजगारी, महंगाई, अपराध में नंबर-1 पर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि आज होडल की जनआक्रोश रैली का संदेश पूरे हरियाणा में गया है। लोगों ने आगामी

चुनाव में झूठे और जुमलेबाजों को सबक सिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने बीजेपी के पिछले तमाम झूठे वायदों का जिक्र करते हुए बताया कि किसानों को सी 2 50 पर भाव, एमएसपी, 2022 तक दोगुनी आमदनी, हर व्यक्ति को छत, 100 दिन में काला धन वापस लाकर हर व्यक्ति को 15 लाख देने, 100 दिन में महंगाई कम करने, 100 स्मार्ट सिटी बनाने, डीजल 35 रुपए लीटर और सिलेंडर 2 50 में देने, हर साल 2 करोड़ नौकरी, देने का झूठा वादा किया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने जनसंपर्क कर नरेंद्र मोदी को फिर से पीएम बनाने का लिया संकल्प

अररिया 11फरवरी(हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के निर्देश पर जारी *चलो गांव की ओर* कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फारबिसगंज के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर नरेंद्र मोदी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया। जनसंपर्क के दौरान आसन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को 4 सौ से ज्यादा सीटों पर विजयी बनाने का संकल्प लिया गया। मौके पर भाजपा अति

पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल की अगुवाई में रेणुगांव भाजपा मंडल के सिमराहा, कुर्वा, बसगढ़ा रामपुर सुखी सहित अन्य कई गांव में प्रवास कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जागरूक किया गया एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाए जा रहें जन कल्याणकारी योजनाओं का जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने की अपील की गई। साथ ही जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल द्वारा बूथ कमिटी, पन्ना प्रमुख, पेज प्रमुख कमिटी का सत्यापन कार्य भी किया गया। जिलाध्यक्ष ने बताया की चार फरवरी से ग्यारह फरवरी तक चलने वाले सभी कार्यक्रमों को सुचारु रूप से संचालन किया गया एवं फिर एक बार मोदी सरकार का नारा लगाते हुए भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करते हुए नरेंद्र मोदी को पुन: प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लोगों को दिलाया।

जालंधर के प्रसिद्ध मंदिर में हमला इलाके में दहशत का माहौल

जालंधर। जालंधर के प्रसिद्ध श्री राधा कृष्णा मंदिर में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बस्ती बावा खेल इलाके के इस मंदिर के अंदर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ईंट-पत्थर फेंके गए। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर के पंडित रमेश कुमार ने बताया कि वह और इनका परिवार रात को सो रहा था कि बाहर से ईंट-पत्थर फेंके गए। इसके चलते वह सभी घबरा गए और उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद मौके पर मौहल्ले के लोग पहुंचे और उन्होंने पुलिस को इस संबंध में जानकारी दी। पुलिस द्वारा इस मामले के संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को काबू कर लिया जाएगा।

पृथक मिथिला राज्य को लेकर विद्यापति चेतना समिति द्वारा एक दिवसीय धरना आयोजित

सहरसा (हिंस)। मिथिला मैथिली को राजनीतिक कुदृष्टि से बचाने मिथिला विकास समिति के तत्वावधान में रविवार को शंकर चौक मंदिर परिसर में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया। इस धरना कार्यक्रम का की अध्यक्षता विद्यापति चेतना समिति के अध्यक्ष राधाकांत ठाकुर एवं संचालन महासचिव जय राम झा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बैद्यनाथ चौधरी उर्फ बैजू, साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष कमलाकांत झा, चंद्रशेखर झा, पूर्व प्राचार्य प्रकाश चंद्र खां इस धरना कार्यक्रम को संबोधित किया। वही इस अवसर पर सुरेश्वर पोद्दार, डॉक्टर शिलेंद्र कुमार, उमेश चंद्र भारती, रणधीर सिंह, रविंद्र कुमार झा, प्रो ललित कुमार मिश्र सहित अन्य वक्ताओं ने अपने उद्गार व्यक्त किया। वक्ताओ ने कहा कि 8 करोड़ मिथिला वासी की अस्मिता और विकास से संबंधित मुद्दों को उठाया जाना जरूरी है। वही पृथक मिथिला राज्य का गठन आवश्यक है। जिसके अंतर्गत बीपीएससी परीक्षा के मेधा निर्धारण में गणना करने, संवैधानिक भाषा होने के कारण मैथिली में लिखने की छूट अनिवार्य रूप से मिलने, मैथिली अकादमी को स्वतंत्र रूप में पुन: संचालित करने, कवि कोकिल महाकवि विद्यापति के महा निर्माण दिवस पर विद्यापति पर्व को राजकीय समारोह के रूप में स्वतंत्र रूप से मनाने, नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षण व्यवस्था के लिए मैथिली शिक्षकों की नियुक्ति करने तथा मिथिला के सांस्कृतिक प्रतीक मखाना को मिथिला मखाना के रूप में टैग मिल चुका है। इसके बावजूद बिहार सरकार इसे बिहार का मखाना के रूप में दुष्प्रचारित कर मिथिला के साथ हकमारी करना चाहती है। सुरेश्वर पोद्दार ने कहा कि मिथिला राज्य का निर्माण की मांग बहुत पुराना है। वही मैथिली संवैधानिक भाषा संविधान की अष्टम सूची में शामिल होने के बावजूद इस भाषा के विकास के लिए बिहार सरकार की द्वारा बार-बार अनदेखी की जा रही है। साथ ही कहा की मिथिला के लोगों द्वारा मालगुजारी एवं सभी प्रकार के टैक्स देने के बावजूद सारा पैसा विकास के नाम पर दक्षिण बिहार मैं ही खर्च किया जा रहा है। जबकि मिथिला के क्षेत्र में उद्योग धंधे एवं कल कारखाने नहीं रहने के कारण लोगों का तेजी से पलायन हो रहा है। इस अवसर पर रघुनंदन पोद्दार, अजीत पोद्दार, मोहम्मद अब्दुल रहमान, मोहम्मद सरफराज उद्दीन, मोहम्मद असगर आलम, मोहम्मद नजरे इमाम, बालेश्वर भगत, सुशील कुमार शर्मा, रोजी प्रवीण, सबिया प्रवीण, हरिओम मंडल, राम शंकर सिंह, अनिल मिश्रा, जयकांत मिश्र, डॉ. जयप्रकाश खां, प्रमोद साह सहित बड़ी संख्या में धरना में लोग शामिल हुए।

यूआर साहू ने संभाली डीजीपी की कमान

जयपुर (हिंस)। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी उत्कल रंजन साहू ने रविवार सुबह पुलिस मुख्यालय में डीजीपी का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले डीजीपी उमेश मिश्रा के वीआरएस लेने के बाद साहू कार्यवाहक डीजीपी के रूप में कार्य कर रहे थे। पदभार संभालने के बाद साहू ने कहा कि इस साल जारी प्राथमिकताओं के आधार पर अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के साथ ही महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, गैंगवार व साइबर अपराधों की रोकथाम की दिशा में विशेष कार्य किया जाएगा। साहू वर्ष 1988 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी साहू होमगार्ड का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे। अब वह राजस्थान पुलिस की कमान संभालेंगे। उत्कल रंजन साहू मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले हैं। जून 2020 में ही उन्हें डीजी रैंक पर प्रमोशन मिला था।

देवी की प्राण प्रतिष्ठा को ले निकली कलश यात्रा

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के रजौली प्रखंड क्षेत्र के नीचे बाजार स्थित सुप्रसिद्ध राज शिव मंदिर के पास नवनिर्मित राज राजेश्वरी मंदिर बनकर तैयार है। नवनिर्मित मंदिर में माता की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को सैकड़ों महिला व पुरुष श्रद्धालु के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के दौरान नगर भ्रमण हुआ, जिसकी शुरुआत राज शिव मंदिर नीचे बाजार से होते हुए संगत पहुंचा। उसके बाद बजरंग बली चौक से पुरानी बस स्टैंड, जगदीश मार्केट, सोनरपट्टी रोड होते हुए पुन: राज शिव मंदिर पहुंचा। इस संबंध में श्री श्री 1008 श्री मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा पाठात्मक शतचंडी महायज्ञ के यज्ञाचार्य शशिकांत पांडेय ने कलश यात्रा के निकलने से पूर्व विधिवत पूजा-अर्चना किए तथा नदी से सैकड़ों भक्तों ने कलश में जल भरा। मुख्य यज्ञमान के रूप में आशीष भदानी के नेतृत्व में कुल पांचों यज्ञमान ने कलश यात्र के दौरान विभिन्न स्थानों में रहे मंदिर जैसे बीच बाजार स्थित देवी मंडप, शिवाला, ठाकुरबाड़ी, बजरंग बली चौक तथा पुरानी बस स्टैंड स्थित काली मंदिर में भी पूजा अर्चना किया। यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं के भक्तिमय जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया। साथ ही

यज्ञसमिति के सदस्यों ने बताया कि 13 फरवरी से 19 तक अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास पूज्य स्वामी श्री प्रभजनानंद शरण जी महाराज के द्वारा राम कथा तथा श्री गिरजा धरण आदर्श राम लीला मंडली के द्वारा रामलीला का कार्यक्रम होगा। वहीं ग्रामीणों ने कहा कि बहुत दिनों बाद इतना भव्य कलश यात्रा एवं यगस्थल के समीप बेहतरीन व्यवस्था देखा गया है। कलश यात्रा के दौरान मंदिर के अध्यक्ष ललन कंधवे, गुड्डू आलम, डॉ. सुनीता यादव, गौरव शांडिल्य, संजय यादव, बबलू सिंह, अमरेश सिंह, विमल राजवंशी, नीरज सेठ, नटरू, पवन बाबा, कौशल वर्मा, बंटी सिंह, नगर पंचायत के वार्ड पार्षद धीरज चौधरी, संतोष वर्मा, मेवालाल साहू, विजय दास वार्ड पार्षद प्रतिनिध सुमित सिंह, गोपाल सिंह, बबलू पंडित, उज्ज्वल, सूरज, आर्यन, प्रवीण, सोनू, सागर, सुजीत, ऋतिक के अलावे हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। कई श्रद्धालुओं ने मोटी रकम देने की भी घोषणा की है।

एलन मस्क ने 10 लाख लोगों को मंगल ग्रह पर शिफ्ट करने की योजना बनाई

नई दिल्ली।

अरबपति एलन मस्क ने दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर शिफ्ट करने की योजना की घोषणा की है।एलन मस्क ने एक्स डॉट कॉम पर एक पोस्ट में लिखा, हम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर ले जाने के लिए एक गेम प्लान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्टारशिप अब तक बना सबसे बड़ा रॉकेट है, जो हमें मंगल ग्रह तक ले जाएगा।

एलन मस्क ने कहा कि एक दिन, मंगल ग्रह की यात्रा पूरे देश में एक उड़ान की तरह होगी। उन्होंने यह जवाब उन यूजर्स को दिया जिन्होंने लाल ग्रह पर स्टारशिप के लॉन्च के बारे में पूछा था।

एलन मस्क ने बीते हफ्ते कहा था कि स्टारशिप को 5 साल से कम समय में चंद्रमा पर पहुंचने में सक्षम होना चाहिए।

स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष यात्रियों को आधी सदी से भी अधिक समय में पृथ्वी से सबसे दूर ले जाएगा। मंगल ग्रह पर रहने के लिए बहुत काम करना होगा।

इसके अलावा, एलन मस्क ने जनवरी में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि स्पेसएक्स अगले आठ वर्षों के भीतर लोगों को चंद्रमा पर भेजेगा। मस्क ने कहा, अब से आठ साल बाद चीजें कैसी होंगी। मुझे लगता है कि हम मंगल ग्रह पर उतर चुके होंगे और मुझे लगता है कि हमने लोगों को चंद्रमा पर भेज दिया होगा।

उनका लक्ष्य चंद्रमा पर बेस बनाने का भी है। उन्होंने कहा, हमें चंद्रमा पर स्थायी रूप से कब्जे वाले मानव आधार की तरह चंद्रमा पर एक आधार बनाना चाहिए, और फिर लोगों को मंगल ग्रह पर भेजना चाहिए।

उन्होंने बीते दिनों कहा था कि हो सकता है कि अंतरिक्ष स्टेशन से परे भी कुछ हो, लेकिन हम देखेंगे।

एलन मस्क को यह भी उम्मीद है कि इस साल तीसरा स्टारशिप उड़ान परीक्षण कक्षा में पहुंचेगा और साबित करेगा कि अंतरिक्ष यान विश्वसनीय रूप से कक्षा से बाहर निकल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

छत्तीसगढ़ सीएम के गृह ग्राम के उत्पादों को जशपुर ब्रांड से मिलेगी पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का नाता जशपुर जिले की बगिया गांव से है। इस गांव की महिलाएं स्व सहायता समूह के जरिए जिन उत्पादों का निर्माण करती हैं, उन्हें देश में एक अलग पहचान मिलने वाली है। इन उत्पादों को जशपुर ब्रांड के नाम से बाजार में बेचा जाएगा। जशपुर जिले का बगिया वह गांव है जहां मुख्यमंत्री साय का बचपन बीता और यहीं से उन्होंने अपने सियासी सफर की शुरुआत की। साय प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और वह अपने गांव को एक अलग पहचान दिलाना चाह रहे हैं। इस गांव की महिलाएं स्व सहायता समूह के जरिए तरह-तरह के उत्पादों का निर्माण कर रही हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में लगी हुई हैं। मुख्यमंत्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया में स्व-समूह की महिलाओं से मुलाकात कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली और महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की तारीफ की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्व-सहायता समूहों में महिलाओं को अधिक से अधिक जोड़ें ताकि महिलाओं को रोजगार मिल सके और वे आर्थिक रूप से स्वाबलंबी हो सके। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को मार्केट उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की पहल जशपुर ब्राण्ड के नाम से बिक्री के लिए पहल की जा रही है। इसके लिए एक अलग से वेबसाईट भी बनायी गई है, ताकि इन उत्पादों की बिक्री के लिए आसानी से मार्केट उपलब्ध हो सके। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि समूहों द्वारा महुआ, कोदो, चावल, हर्रा, टाऊ कटहल इमली चाय, माउथ फ्रेशनर आदि बनाने का काम किया जा रहा है। अनीश्वरी भगत ने उनके समूह द्वारा महुआ से लड्डू बनाया जा रहा है। कस्तूरी ठाकुर ने आन लाइन पर्चेसिंग का काम करती हैं।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी नजर आ रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 76.84 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे और डीजल में 41 पैसे की गिरावट है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 30 और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। हरियाणा, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। दूसरी ओर हिमाचल में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र और केरल में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गोल्ड प्लस ग्लास ने सेबी के पास जमा किए आईपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली। गोल्ड प्लस ग्लास इंडस्ट्री लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए राशि एकत्रित करने के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा कर दिए हैं। दस्तावेजों के मुताबिक फ्लोट ग्लास विनिर्माता कंपनी आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी। इस के अलावा प्रवर्तक और निवेशक शेयरधारकों की ओर से 1.56 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में सुरेश त्यागी, जिमी त्यागी, पीआई अपॉर्चुनिटीज फंड-एक और कोटक स्पेशल सिचुएशंस फंड शामिल हैं। दिल्ली की यह कंपनी 100 करोड़ रुपये के आईपीओ पूर्व नियोजन पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर निर्गम का आकार घट जाएगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि में से 400 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज का भुगतातन करने में करेगी। इसके एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कंपनी कामकाज में किया जाएगा। गोल्ड प्लस देश की प्रमुख फ्लोट ग्लास विनिर्माताओं में से है। सितंबर, 2023 तक विनिर्माण क्षमता में इसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत थी।

बाल श्रमिक विद्या योजना

मजदूरी नहीं, शिक्षा की ओर बढ़ेंगे कदम! सरकार देगी 14400 रुपये तक की आर्थिक मदद

नई दिल्ली।

देश के नागरिकों के उत्थान और कल्याण के लिए सरकार नई-नई योजनाओं को लाती रहती है। ये सरकारी योजनाएं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जाती हैं। इस आर्टिकल में यूपी की योगी सरकार की उस योजना की जानकारी दे रहे हैं, जिसमें गरीब बच्चों को हर साल 14400 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है।

किस योजना में मिल रही 14400 रुपये की आर्थिक मदद - दरअसल, हम यहां श्रमिक विद्या योजना की बात कर रहे हैं। यूपी सरकार की यह योजना खासकर गरीब बच्चों के उत्थान के लिए लाई गई है। इस योजना में लड़कों को हर महीने 1000 रुपये और लड़कियों को 1200 रुपये दिए जाते हैं। श्रमिक विद्या योजना का उद्देश्य गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। इस तरह एक वर्ष में लाभार्थी के खाते में 14400 रुपये तक की अधिकतम राशि सरकार की ओर से भेजी जाती है।

कौन-से लोग ले सकते हैं योजना का लाभ - 8 से 18 आयु वर्ग के कामकाजी बच्चे/किशोर-किशोरी जो की संगठित या असंगठित क्षेत्र में कार्य कर अपने परिवार की आय में वृद्धि में सहयोग कर रहे हैं, योजना का लाभ ले सकते हैं। इसमें कृषि, गैर कृषि, स्वरोजगार, गृह आधारित प्रतिष्ठान, घरेलू कार्य व किसी प्रकार का भी अन्य श्रम शामिल है।

योजना से जुड़ी जरूरी बातें

इस योजना का लाभ इन पांच कैटेगरी में आने वाले बच्चों को ही मिलेगा-

ऐसे परिवार जहां-

- माता या पिता या दोनों की मृत्यु हो चुकी हो।
- माता या पिता या दोनों स्थाई रूप से विकलांग हो
- महिला या माता/पिता की मुखिया हो।

माता या पिता या दोनों स्थाई किसी गंभीर असाध्य रोग से ग्रसित हो।

- भूमिहीन परिवार
- योजना के लिए जरूरी दस्तावेज
- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- निवास प्रमाण पत्र
- मोबाइल नंबर
- पासपोर्ट साइज फोटो।

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने बेचे 1.2 करोड़ शेयर अगले एक वर्ष में 5 करोड़ शेयर बेचने का है प्लान

नई दिल्ली। वर्ष 2021 के बाद एक बार फिर अमेजन के को-फाउंडर जेफ बेजोस ने कंपनी के शेयरों की बिक्री की है। बेजोस ने यह बिक्री पिछले हफ्ते की है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक जेफ बेजोस ने 2 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे हैं। दरअसल, फरवरी की शुरुआत में ही कंपनी ने जानकारी दी थी कि अगले 12 महीनों के दौरान बेजोस कंपनी के 50 मिलियन शेयर बेचेंगे। इसी कड़ी में कंपनी के 12 मिलियन शेयर बेचे जाने की जानकारी सामने आ चुकी है।

2024 में 22.6 बिलियन डॉलर का जबरदस्त मुनाफा ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक बीते कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन बेजोस की नेट वर्थ में 22.6 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। बेजोस की कुल संपत्ति 199.50 बिलियन डॉलर हो गई है। कैसा रहा है शेयरों को बेचने का रिकॉर्ड इससे पहले बेजोस ने वर्ष 2020 और 2021 में 20 बिलियन डॉलर के शेयरों की बिक्री की थी। दरअसल, 1 फरवरी को ही अमेजन के तिमाही नतीजों का एलान हुआ है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 170 बिलियन डॉलर की कुल सेल्स रही। कंपनी का नेट प्रॉफिट 10.6 बिलियन डॉलर रहा। बता दें, बेजोस हाल ही में 60 वर्ष के हो गए हैं। वे अमेजन स्टॉक के लगभग एक अरब शेयरों के मालिक हैं।

खुदरा महंगाई आंकड़े, एफआईआई से तय होगी बाजार की चाल

कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा

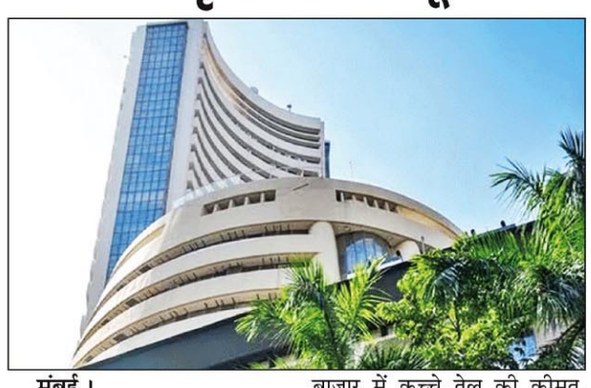

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार बरकरार रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह जनवरी की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह जनवरी की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले है। साथ ही कोल इंडिया, एचएएल, एनएचपीसी, सेल, भेल, हिंडाल्को, आईआरसीटीसी, एमटीएनएल और ओआईएल समेत कई दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाले हैं। इस सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की अहम भूमिका रहेगी। इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और एफआईआई के निवेश रुख पर भी बाजार की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 फरवरी को जारी होंगे। वहीं थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े 14 फरवरी को आएंगे। अमेरिका के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 13 फरवरी तथा खुदरा बिक्री के आंकड़े 15 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। इन आंकड़ों के बीच अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल तथा डॉलर सूचकांक में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान एनएचपीसी, सेल, बीएचईएल, हिंदुस्तान कॉपर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अन्य कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

यूपी में 19 फरवरी को 10 लाख करोड़ की 14 हजार परियोजनाएं शुरू होंगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 4.0 के साथ राज्य में विकास के एक और चरण को शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसमें 14 हजार परियोजनाओं को शामिल करते हुए 10 लाख करोड़ के एमओयू (समझौता ज्ञापन) 19 फरवरी को लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में पेश किए जाएंगे इन परियोजनाओं से राज्य में 33.50 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, जीबीसी 4.0 के लिए अनुमानित निवेश की शुरुआत पिछले तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोहों में लागू 2.0 लाख करोड़ रुपये से अधिक के संचयी निवेश से पांच गुना ज्यादा है। इस बार इनमें से 52 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएंगी। लगभग 29 प्रतिशत एमओयू पूर्वांचल क्षेत्र में लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य के पूर्वी हिस्से शामिल हैं। इसके अलावा 14 प्रतिशत एमओयू मध्यांचल और 5 प्रतिशत एमओयू बुन्देलखण्ड में लागू किये जायेंगे। इन एमओयू पर फरवरी 2023 में लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में हस्ताक्षर किये गये थे। 19 फरवरी के कार्यक्रम में प्रसिद्ध उद्योगपति, 500

कंपनियों के प्रतिनिधि, विदेशी निवेशक, राजदूत, उच्चायुक्त और अन्य विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 3000 लोग शामिल होंगे। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, 19.24 प्रतिशत निवेश का एक बड़ा हिस्सा आवास क्षेत्र में है। इसके अलावा, 15 प्रतिशत निवेश नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में, 13 प्रतिशत विनिर्माण में, 10 प्रतिशत आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं में, 7.83 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में, ऊर्जा में 7.5 प्रतिशत और खाद्य प्रसंस्करण में 6.01 प्रतिशत है।

भारतीय बॉन्ड बाजार में जमकर पैसा लगा रहे एफपीआई, फरवरी में अब तक 15,000 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अब तक देश के बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 15,093 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

जेपी मार्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल करने और व्यापक रूप से अर्थव्यवस्था के स्थिर परिदृश्य के चलते निवेश में वृद्धि दिखाई दे रही है।

इससे पहले 19,836 करोड़ रुपये का रहा निवेश

इससे पहले एफपीआइ ने जनवरी में बॉन्ड बाजार में 19,836 करोड़ रुपये डाले थे, जो छह साल से अधिक समय का सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है। इस तरह 2024 में एफपीआइ का कुल निवेश 34,930 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

इससे पहले जून, 2017 में एफपीआइ ने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डिपाजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआइ ने शेयरों से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं।

इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी।

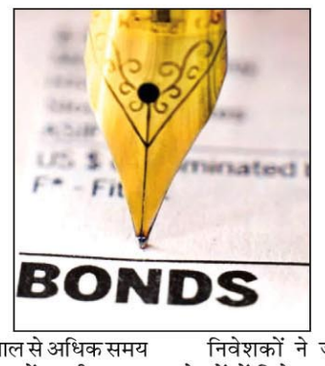

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, शेयर और बांड में इस भिन्न प्रवृत्ति का मुख्य कारण भारतीय शेयर बाजार का ऊंचा मूल्यांकन और अमेरिका में बांड पर बढ़ता प्रतिफल है।

दिसंबर, 2023 में उन्होंने बांड बाजार में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड को जनवरी में मिला 1,287 करोड़ का निवेश

निवेशकों ने जनवरी में लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड (बड़े शेयरों में निवेश वाले कोष) में 1,287 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह 19 माह में निवेश का उच्चस्तर है। छोटी और मझोली कंपनियों के कोषों में तेजी ने उनके मुनाफावसूली के लिए प्रेरित किया है और लार्ज-कैप में उनका निवेश बढ़ा है। इससे पहले दिसंबर, 2023 में उन्होंने लार्ज-कैप फंड से 281 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। निवेश का मौजूदा स्तर पिछले साल जनवरी के 716 करोड़ रुपये के आंकड़े से 80 प्रतिशत अधिक है।

ईएसआईसी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडिकल कवर देने के लिए नियमों में ढील दी

नई दिल्ली।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने वेतन सीमाअधिक होने के बाद ईएसआई योजना कवरेज से हटाए गए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा लाभ प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

वे व्यक्ति जो एक अप्रैल 2012 के बाद कम से कम पांच वर्षों के लिए बीमा लाभार्थी रोजगार में थे और एक अप्रैल 2015 को या उसके बाद 30,000 रुपये प्रति माह तक के वेतन के साथ सेवानिवृत्त या स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए थे, अब नई योजना के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना बीमित व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा देखभाल, उपचार, दवाओं और इंजेक्शन, विशेषज्ञ परामर्श और अस्पताल में भर्ती के रूप में पूर्ण चिकित्सा देखभाल प्रदान करती है।

ईएसआई योजना कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों जैसे सड़क परिवहन, होटल, रेस्तरां, सिनेमा, समाचार पत्र, दुकानें और शैक्षणिक/चिकित्सा संस्थानों पर लागू होती है, जिनमें 10 या अधिक व्यक्ति कार्यरत हैं।

केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में ईएसआईसी की बैठक में सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए उत्तर-पूर्व क्षेत्र और सिक्किम में चिकित्सा सेवाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया। ईएसआईसी ने सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में औषधालयों, चिकित्सा बुनियादी ढांचे/क्षेत्रीय/उप क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना के लिए मौजूदा मानदंडों में ढील दी। बैठक के दौरान ईएसआई लाभार्थियों की समग्र भलाई को बढ़ावा देने के लिए ईएसआईसी संस्थानों में आयुष 2023 पर एक नई नीति अपनाई गई। नीति में ईएसआईसी अस्पतालों में पंचकर्म, क्षार सूत्र और आयुष इकाइयों की स्थापना का विवरण दिया गया है। बैठक में चिकित्सा देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए उडुपी, कर्नाटक, इडुक्की, केरल में 100-100 बिस्तरों वाले अस्पतालों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी गई और पंजाब के मलेरकोटला में 150 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा गैर-आईपी लोगों के लिए अलवर राजस्थान और बिहटा बिहार में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में शून्य उपयोगकर्ता शुल्क पर ईएसआई स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का लाभ उठाने के लिए रियायती सुविधाओं को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान ईएसआई कॉर्पोरेशन द्वारा ईएसआईसी के संशोधित अनुमान 2023-24, बजट अनुमान 2024-25 और प्रदर्शन बजट 2024-25 को अपनाया गया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, Government of India)

ईरान के सेब ने गिराए हिमाचली सेब के भाव, बागवानों को 800 रुपये प्रति पेटी का नुकसान

शिमला। अवैध रूप से भारत पहुंच रहे ईरान के सेब ने हिमाचली सेब के दाम गिरा दिए हैं। विदेशी सेब सस्ता होने के कारण हिमाचल को अच्छे दाम नहीं मिल पा रहे हैं। हालात यह है कि जुलाई-अगस्त में सीजन के दौरान जो सेब 2000 रुपये बॉक्स बिका था, वह सेब कोल्ड स्टोर से निकालने के बाद अब 1500 रुपये पेटी बिक रहा है। दाम गिरने से बागवानों को प्रति पेटी करीब 800 रुपये का नुकसान हो रहा है। बता दें कि सेब को स्टोर रखने का करीब 300 रुपये प्रति बॉक्स खर्च देना पड़ता है। हर साल हिमाचल का करीब एक करोड़ पेटी सेब स्टोर होता है। ईरानी सेब अफगानिस्तान के रास्ते अवैध रूप से भारत पहुंच रहा है। साफ्ता (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया) के चलते बिना शुल्क चुकाए ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। खर्चा कम होने के कारण यह सस्ता है। जानकारी के मुताबिक ईरानी सेब का एक बॉक्स 1,000 से 1,200 रुपये में बिक रहा है। सस्ता होने के कारण हिमाचली सेब को उचित दाम नहीं मिल रहे। दिल्ली की आजादपुर मंडी में रोज ईरानी सेब के 15 से 20 एसी कंटेनर पहुंच रहे हैं। दक्षिण भारत की मंडियों में भी ईरानी सेब की आमद बहुत अधिक है। खरीदारों को ईरानी सेब सस्ता मिल रहा है। हालांकि, मंडियों में निजी कंपनियों के प्रीमियम सेब को अच्छे दाम मिल रहे हैं।

भारतीय खाने और रहन-सहन की बुराई कर फंसी यह सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी, सोशल मीडिया पर हुई ट्रोल

नई दिल्ली ।

सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी डेजाना रादानोविक हाल ही में तीन अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ टूर्नामेंट के लिए भारत आई थीं। हालांकि, उन्हें यहां आना रास नहीं आया और उन्होंने भारत के बारे में सोशल मीडिया पर भद्दी टिप्पणी की है। उन्हें अब अपनी नस्लवादी टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। रादनोविक ने कई सोशल मीडिया पोस्ट में भारत के भोजन, रहन-सहन, यातायात और स्वच्छता की आलोचना की थी। देश में करीब दो सप्ताह बिताने वाली रादनोविक ने अपने एक पोस्ट में हवाईअड्डे की तस्वीर साझा कर लिखा- एडियोस इंडिया। अब तुम्हें कभी भी नहीं देखूंगी। म्यूनिख पहुंचने पर, रादनोविक ने एक और पोस्ट साझा किया जिसमें लिखा था, हैलो। केवल वे लोग जिन्होंने तीन सप्ताह के लिए भारत जैसा कुछ अनुभव किया है, वे मेरी भावना को समझ सकते हैं। यातायात के बारे में उन्होंने लिखा, लेकिन मुझे यह स्वीकार करना होगा कि वहां (भारत) के ड्राइवर अद्भुत हैं और यातायात कभी-कभी दिलचस्प होता था। आप कभी नहीं जान सकते कि आपका दिन कैसा रहेगा, क्या होने वाला है और हर कोई हर समय हॉर्न बजा रहा है, जैसे कि ट्रैफिक रश गेम में होता है। इन पोस्ट की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। रादनोविक ने हो रही आलोचना पर सफाई देते हुए एक और पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी भारत के लोगों के बारे में नहीं थी, बल्कि देश के बारे में थी और इसलिए, उन्हें नस्लवादी नहीं कहा जा सकता है। रादनोविक ने लिखा- ओह माय गॉड! मैं विश्वास नहीं कर सकती कि हमें वास्तव में किन चीजों के बारे में बात करने की आवश्यकता है। मुझे भारत देश पसंद नहीं था। मुझे भोजन, यातायात, स्वच्छता (खाने में कीड़े, होटल में पीले तकिए और गंदे बिस्तर का उपयोग करना) पसंद नहीं था।

इसके अलावा रादनोविक ने लिखा- यदि आप मेरे देश सर्बिया आते हैं और आपको ये सभी चीजें पसंद नहीं आती हैं, तो इसका मतलब है कि आप नस्लवादी हैं नस्लवाद के साथ इसका क्या लेना देना है मेरे पास कई और देश और रंगों के दोस्त हैं। इसलिए नस्लवाद का मामला नहीं उठना चाहिए, क्योंकि यह पूरी तरह बकवास है! 27 वर्षीय रादनोविक ने अपने भारतीय दौरे के दौरान पुणे, बेंगलुरु और इंदौर में तीन डब्लू50 स्पर्धाओं में भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में क्रिकेट खेलना था अपराध, पिता और भाई की मौत से बाद बदल गई जिंदगी; संघर्ष के दिनों को याद कर भावुक हुए आकाश दीप

नई दिल्ली। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप का इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। टीम में सेलेक्शन होने के बाद आकाश दीप ने अपने जीवन की वो घटना बताई जिससे उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया।

आकाश दीप ने कहा कि छह महीने के भीतर अपने परिवार के दो सदस्यों को खोने से उनका जीवन बदल गया और उन्हें क्रिकेट पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बंगाल के लिए खेलने वाले 27 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप को उनके घरेलू प्रदर्शन का इनाम भारतीय टेस्ट टीम में जगह देकर मिला है। 29 प्रथम श्रेणी मैचों में, उन्होंने 23.18 की औसत से 103 विकेट लिए हैं। उन्होंने पिछले महीने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भी प्रभावित किया और 11 विकेट लिए। पिता चाहते थे सरकारी नौकरी करूं हालांकि, आकाश दीप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की यात्रा में काफी संघर्ष रहा है। वह बिहार से हैं, जहां क्रिकेट का कोई समृद्ध इतिहास नहीं है। आकाश दीप के पिता चाहते थे कि वह बिहार पुलिस कांस्टेबल की परीक्षा में बैठें या कम से कम राज्य सरकार के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नौकरी करें। हालांकि, कुछ महीनों के अंतराल में उनके परिवार में दो मौतों ने क्रिकेटर के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया।

फ्री स्टाइल चेस में गुकेश ने कार्लसन को हराया, वेसेन्हॉस शतरंज चैलेंज में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर

वांगल्स (जर्मनी)। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां शुरू हुए वेसेन्हॉस शतरंज चैलेंज के पहले दिन एक के बाद एक जीत दर्ज करते हुए दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैग्नस कार्लसन, अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन और मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को पराजित किया। हालांकि फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ पहली बाजी में हारकर पूरे अंक गंवाने से गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं हुई लेकिन इसके बाद वह पूरी तरह लय में आ गए और उन्होंने चार में से तीन अंक अपनी झोली में डाले। इससे वह रैपिड वर्ग में जर्मनी के विन्सेंट केमेर (3.5 अंक) के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव को पहले दिन एक भी बाजी में हार नहीं मिली लेकिन उनके अंक गुकेश के बराबर हैं। कार्लसन, फिरोजा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना 200,000 डॉलर पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में दो अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। रैपिड प्रारूप आठ खिलाड़ियों के बीच नॉकआउट चरण के लिए 'पेयरिंग' चुनने के लिए कराया जा रहा है। नॉकआउट नियमों के अनुसार जो भी पहले स्थान पर रहेगा, वह अंतिम स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी से भिड़ेगा।

पृथ्वी शॉ ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेलने के बाद दिया तगड़ा रिएक्शन, कहा- अब केवल इस पर लगा रहा हूं अपना पूरा ध्यान

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ ने चोट से लंबे समय के बाद पेशेवर क्रिकेट में जबरदस्त वापसी की और छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शतक जमाया। पृथ्वी शॉ ने यह शतक जमाकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 185 गेंदों में 18 चौके और तीन छक्के की मदद से 159 रन बनाए। पृथ्वी शॉ ने रिकॉर्ड शतक जड़ने के बाद भारतीय टीम में वापसी करने के बारे में अपनी राय प्रकट की है। शॉ ने कहा कि इस समय वो भारतीय टीम में वापसी के बारे में कुछ भी नहीं सोच रहे हैं और उनका पूरा ध्यान केवल मुंबई को रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने पर लगा हुआ है। बल्लेबाजी करके अजीब लगा पृथ्वी शॉ ने कहा कि चोट से उबरने के बाद लंबे समय बाद क्रीज पर वापसी की तो बल्लेबाजी करते हुए अजीब महसूस हो रहा था। उन्होंने कहा कि क्रीज पर कुछ समय बिताने के बाद उनको सब ठीक लगने लगा और कोई परेशानी नहीं हुई। बता दें कि पृथ्वी शॉ तीन साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं। शॉ को भारत के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में से एक माना जा रहा था, लेकिन वो अपनी प्रतिभा के साथ अब तक न्याय करते हुए नजर नहीं आएं हैं।

ईरान ने फीफा से की अनोखी मांग, गाजा से युद्ध के लिए इजराइल पर प्रतिबंध लगाने को कहा

नई दिल्ली ।

ईरान फुटबॉल महासंघ ने कहा कि उसने विश्व फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा से इजराइल के फुटबॉल महासंघ को निलंबित करने के लिए कहा है। ईरान फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट पर जारी बयान में ईरान ने फीफा से फुटबॉल से जुड़ी सभी गतिविधियों से इजराइली महासंघ को पूरी तरह निलंबित करने को कहा है। गाजा और इजराइल के बीच युद्ध को लेकर ईरान ने यह अपील की है। ईरान ने फीफा और उसके सदस्य संघों से इजराइल पर तत्काल प्रभाव से निलंबन लगाने की मांग की है ताकि इजराइल के अपराधों को जारी रखने से रोका जा सके और निर्दोष लोगों और नागरिकों को भोजन, पेयजल, औषधीय और चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की जा सके।

इजराइल में हजारों लोगों की मौत हुई

गाजा में युद्ध पिछले साल सात अक्तूबर को इजराइल के खिलाफ हमास आतंकवादियों द्वारा हमले के साथ शुरू हुआ। आधिकारिक इजराइली आंकड़ों के अनुसार इस युद्ध में लगभग 1,160 लोगों की मौत हुई, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। जवाब में इजराइल ने हमास को मिटा देने की बात कही थी। हमास द्वारा संचालित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध में कम से कम 27,947 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे।

ईरान-इजराइली एथलीटों के बीच बातचीत पर भी प्रतिबंध

ईरान ने हमास के हमले में किसी तरह की प्रत्यक्ष संलिप्तता से इनकार किया था। इस्लामी गणराज्य इजराइल को मान्यता नहीं देता है और ईरानी और इजराइली एथलीटों के बीच सभी संपर्क को प्रतिबंधित करता है। ईरान की सरकारी मीडिया ने उस समय खबर दी थी कि पिछले साल अगस्त में भारोत्तोलक मुस्तफा राजेई पर पोलैंड में एक कार्यक्रम के दौरान एक इजराइली प्रतिद्वंद्वी से हाथ मिलाने के बाद आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था।

कई और देशों ने इजराइल पर प्रतिधंब लगाने की मांग की

ईरानी भारोत्तोलन महासंघ ने प्रतियोगिता के लिए प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख हामिद सालेहिनिया को भी बर्खास्त कर दिया। 2021 में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एथलीटों से पदक प्राप्त करने के लिए (इजराइली) आपराधिक शासन के प्रतिनिधि के साथ हाथ नहीं मिलाने का आग्रह किया। बताया कि फलस्तीन, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित मध्य पूर्वी फुटबॉल संघों के एक समूह ने भी विश्व फुटबॉल प्रमुखों से गाजा में हमास से युद्ध पर इजराइल पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहा है।

चौथे टेस्ट में बुमराह को मिल सकता है आराम

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन उन्हें आराम दे सकता है। बुमराह पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं। ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ये फैसला लिया जा सकता है। तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से गुजरात के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें वह खेलेंगे पहले कहा जा रहा था कि उन्हें तीसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनसार अनुसार बुमराह को चौथे टेस्ट के लिए ब्रेक दिया जा सकता है पर पांचवे और अंतिम टेस्ट में शामिल किया जा सकता है। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ने यह फैसला किया है कि बुमराह को रांची टेस्ट के लिए आराम दिया जाए। वह अगर चौथे टेस्ट में टीम से बार हुए तो मोहम्मद सिराज की टीम में वापसी हो सकती है। सिराज दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे। बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में 9 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था। बुमराह की गेंदबाजी से ही भारतीय टीम को जीत हासिल करने में सहायता मिली थी। आखिरी 3 टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

रुतुराज, कॉनवे जैसी सलामी जोड़ी का लाभ सीएसके को मिला : गावस्कर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास सलामी जोड़ी के रुप में रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। आईपीएल में रुतुराज और कॉनवे का शानदार काफी अच्छा रहा है। न्यूजीलैंड के कॉनवेने 16 मैचों में 139.70 की स्ट्राइक रेट से 672 रन बनाए हैं, वहीं रुतुराज ने 147.50 की स्ट्राइक रेट से 590 रन बनाए हैं। सीएसके की बल्लेबाजी की ताकत को लेकर गावस्कर ने कहा कि उसके पास हमेशा से ही बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उसके ये बल्लेबाज पहली ही गेंद से विरोधी टीम पर दबाव बनाने लगते हैं जिसका लाभ सीएसके को मिलता है। इसके अलावा उसके पास अच्छ फिनिशर भी हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे का बाएं और दाएं हाथ का संयोजन भी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। टीम के पास लीग में सबसे बेहतर सलामी जोड़ी है। इसी कारण टीम को हमेशा अच्छी शुरुआत मिलती रही है। इससे आने वाले खिलाड़ियों पर दबाव घटता रहा है। रुतुराज और कॉनवे ने कई अहम साझेदारियां की जिसका भी लाभ उसे मिला है।

रामकुमार को बेंगलुरु ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड मिला, अपने घर में प्रदर्शन सुधारने का मौका

नई दिल्ली । भारत के दूसरी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन को 12 फरवरी से शुरू होने वाले बेंगलुरु ओपन के एकल मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया। हाल में पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भारत की अगुवाई करने वाले रामकुमार यहां चल रहे चेन्नई एटीपी चैलेंजर के पहले दौर में हार गये थे जिससे उन्हें घरेलू सरजमीं पर अच्छा करने का मौका मिलेगा। रामकुमार सात बार एटीपी चैलेंजर सर्किट के एकल फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने नवंबर 2021 में बहरीन के मनामा में अपना एकमात्र खिताब जीता था। दिलचस्प बात है कि रामकुमार ने दो साल पहले अपना सातवां और अंतिम युगल चैलेंजर खिताब बेंगलुरु में हमवतन साकेत मायनेनी के साथ जीता था।

जल्द ही दर्शनों के लिए अयोध्या जाउंगा : केशव महाराज

केपटाउन ।

भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज ने कहा है कि जब भी वह भारत दौरे पर जाएंगे तो अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में दर्शनों के लिए जरुर जाएंगे। केशव महाराज अपने धर्म और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। इसी कारण जब भी वह मैदान पर पहुंचते हैं तो डीजे से 'राम सियाराम की धुनें बजने लगती हैं। यहां तक कि ये क्रिकेटर अपने बल्ले पर भी ओम का स्टिकर लगाते हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह जल्द ही अयोध्या जाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि धर्म और अध्यात्म से कठिन हालातों से निकलने में उन्हें सहायता मिलती है।

केशव ने कहा कि मैं काफी धार्मिक और अध्यात्म में रूचि रखने वाले परिवार से हूं। धर्म और अध्यात्म मुझ पर थोपे नहीं गए पर मैं महसूस करता हूं कि कठिन हालात में यह मुझे मार्गदर्शन और एक दृष्टिकोण देते हैं। मैं अपनी आस्था से काफी जुड़ा हुआ हूं। गौरतलब है कि केशव के परदादा उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से साल 1874 में मजदूरी के लिए डरबन आए थे और उसके बाद वहीं बस गये।

केशव ने कहा कि मैं घर पर सारे त्योहार मनाता हूं और सभी को संदेश देता हूं कि जीवन में कोई ना कोई आस्था जरूर होनी चाहिए। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से वह इतने उत्साहित थे कि उसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी उन्होने कई पोस्ट किये थे। उन्होंने कहा कि मैं भगवान राम का अनन्य भक्त हूं और वह खास दिन था। इतने बड़े पैमाने पर ऐसा कुछ होना बहुत विशेष था। दुनिया में हर जगह ऐसा नहीं होता और मुझे खुशी है कि यह हुआ।

इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप: हिमाचल को हरा एलपीयू जालंधर ने जीती ट्रॉफी

सुंदरनगर (मंडी)।

एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर में नॉर्थ इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप के फाइनल में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी को 21 रन से हराकर खिताब जीता। विजेता और उप विजेता टीम को कॉलेज प्राचार्य डॉ. कामेश्वर कुमार ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते निर्धारित 20 ओवर में 138 रन पर ऑलआउट हो गई। मयंक कुमार ने 28, जसवीर सिंह ने 33, अखिल यादव ने 27 और विक्रांत राणा ने 16 रन बनाए। हिमाचल की ओर से सुधांशु सूद और लक्ष्य वर्मा ने 3-3, अक्षय ने 2 तथा आदित्य चौहान ने 1 विकेट लिया। एक खिलाड़ी रन आउट और एक स्टंप आउट हुआ। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिमाचल की टीम के ओपनर बल्लेबाज अरशद राणा लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के विक्रांत राणा की दूसरी ही गेंद पर बिना रन बनाए अपना विकेट गंवा बैठे। दूसरे ओपनर राघव आंगरा भी 14 रन के स्कोर पर अभिषेक यादव की गेंद पर आउट हो गए।

टीम शुरुआती दो झटकों से उबरी ही नहीं थी कि अमित भी पांच रन पर जुनैद अरशद की गेंद पर अभिषेक यादव को कैच थमा बैठे। इसके बाद कप्तान प्रशांत तोमर और संदर्भ सूद ने बिखरती टीम को संभालते हुए रन बनाए। प्रशांत ने 28 और संदर्भ नाबाद 39 रन का योगदान दिया। इसके अतिरिक्त कोई भी खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। हिमाचल की टीम 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन बना पाई। विक्रांत राणा और अभिषेक यादव ने 2-2 विकेट, जुनैद, अंकित और जतिन ने एक- एक विकेट लिया, जबकि एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। प्रतियोगिता के तकनीकी संयोजक अनिल गुलेरिया ने बताया समापन अवसर पर प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. प्रवेश शर्मा, लोकेश शर्मा और क्रिकेट कोच दिव्या प्रकाश भी मौजूद रहे।

सनराइजर्स ने दूसरी बार जीता एसएटी-20

डरबन सुपर जायंट्स को 89 रन से हराया; एबेल-ट्रिस्टन स्टब्स की फिफ्टी

केप टाउन।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने साउथ अफ्रीकी लीग एसएटी-20 का लगातार दूसरा टाइटल जीत लिया है। टीम के फाइनल मुकाबले में डरबन सुपर जायंट्स को 89 रनों से हराया। सनराइजर्स की टीम लीग के पहले सीजन में भी चैंपियन बनी थी। केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर 205 रन का टारगेट कर रही डरबन सुपर जायंट्स 17 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले, सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 204 रन बनाए।

टॉम एबेल (55 रन) प्लेयर ऑफ द मैच रहे। जबकि हेनरिक क्लासेन को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

खराब रही सुपर जायंट्स की शुरुआत, डीकॉक नहीं चले - जवाबी पारी में डरबन सुपर जायंट्स की टीम बड़े स्कोर के दबाव में बिखर गई। टीम की शुरुआत खराब रही और 5 रन के स्कोर पर कप्तान क्विंटन डीकॉक 3 रन बनाकर आउट हो गए। टीम की ओर से वायन मुल्डर ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। ड्वेन प्रीटोरियस ने 28 और जूनियर डाला ने 15 रन का योगदान दिया। शेष बल्लेबाज नहीं चले। गेंदबाजी में मार्को यानसेन को 5 विकेट मिले। डैनियल वॉराल और ऑटनल बार्थमैन को 2-2 सफलताएं मिली।

सनराइजर्स से एबेल और स्टब्स की फिफ्टी - टॉस जीतकर पहले बैटिंग कर रही सनराइजर्स की ओर से नंबर-3 पर उतरे टॉम एबेल (55 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 56 रन) अर्धशतकीय पारियां खेलीं, जबकि ओपनर जॉर्डन हरमन और कप्तान ऐडन मार्करम ने 42-42 रन की पारियां खेलीं। डेविड मलान 6 रन ही बना सके। केशव महाराज को 2 और रीस टॉप्ली को एक विकेट मिला।

प्लेइंग इलेवन

सनराइजर्स ईस्टर्न केप: जॉर्डन हरमन, डेविड मलान, टॉम एबेल, ऐडन मार्करम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), पैट्रिक क्रूगर, मार्को यानसन, लियम डॉसन, साइमन हार्मर, डैनियल वॉराल और ऑटनल बार्थमैन।

डरबन सुपर जायंट्स: मैथ्यू ब्रीट्जकी, फॉफ डु प्लेसिस (विकेटकीपर), जेजे स्मट्स, भानुका राजपक्षे, हेनरिक क्लासन, ड्वेन प्रीटोरियस, वायन मुल्डर, केशव महाराज (कप्तान), रीस टॉप्ली, जूनियर डाला और नवीन-उल-हक।

बेडरूम या किचन में न रखें, तीन पैरों वाला मेढक

हमने अक्सर ही कई घरों में या शॉप्स पर या किसी और वर्कप्लेस पर तीन पैरों वाले मेढक देखा होगा. फेंगशुई में इस मेढक को एक बहुत ही खास सिंबल माना जाता है, जो हमारे जीवन में समृद्धि लाने में इंपॉर्टेंट रोल प्ले करता है.

इस मेढक की खासियत ये होती है कि यह कुछ सिक्कों पर बैठा होता है और इसके मुंह में भी एक सिक्का होता है.

यूं तो इसे खुशी और समृद्धि लाने वाला माना जाता है, लेकिन यह तभी कारगर है जब इसे सही जगह पर रखा जाए. जानिए कि आप इसे कहां और कैसे अपने घर या ऑफिस में रख सकते हैं.

■ अगर आप इसे अपने कार्यस्थल या लिविंग रूम के साउथ-ईस्ट डायरेक्शन में रखते हैं तो यह घर के सभी में बर्स के लिए धन का कारक बनेगा.

■ अगर आप ऐसे दो मेढक एक ही जगह पर रखते हैं तो यह आपके लिए और भी ज्यादा लकी साबित हो सकता है. दोनों ही मेढक को घर या ऑफिस के मेन एंट्रेंस पर रखना चाहिए.

■ वो बिजनेसमैन जो अपने बिजनेस को एक्सपेंड करना चाहते हैं, उनके लिए यह मेढक बहुत ही शुभ और लकी होता है.

■ इस मेढक को अगर कस्टमर इंटरेक्शन की जगह जैसे शॉप का काउंटरया कैश रजिस्टर के पास रखा जाए तो यह ज्यादा से ज्यादा कस्टमर्स को अट्रैक्ट करता है.

■ ऐसे लोग जो ऐसे काम में इनवॉल्व्ड हैं जिसमें कमिशन ही उनकी कमाई का जरिया होता है, उन लोगों को यह मेढक अपनी डेस्क के साइड पर या मेन एंट्रेंस के डायग्नल डायरेक्शन पर रखना चाहिए. ऐसा करने से यहआपके लिए ज्यादा कस्टमर्स को अट्रैक्ट करेगा जो आपके लिए बेनिफीशियल साबित होगा. इसे जमीन पर रखने की बजाय एक लो-हाइट टेबल जैसे कॉफी टेबल पर रखें.

■अगर आप अपने घर में फाइनेंशियल बूस्ट चाहते हैं तो ऐसे नाइन मनीफ्रॉग्स के घर के इंपॉर्टेंट एरियाज जैसे लिविंग रूम, ऑफिस या डाइनिंगरूम में रखें.

■ इस फ्रॉग को बेडरूम या किचन में रखना अवॉयड करें, क्योंकि यहां रखने से इसका कोई असर नहीं होगा. अपने वर्कप्लेस पर इसे अपनी डेस्कके बगल में रखें ताकि आपकी फाइनेंशियल पोजीशन हमेशा अच्छी बनी रहे।

अपनी भव्यता के लिए विश्व प्रसिद्ध है त्रिचूर का मेला

सूर्योदय के साथ त्रिचूर का समस्त नगर जीवंत हो उठता है। विभिन्न मंदिरों में पूरम से जुड़े विभिन्न विधि-विधान, अनुष्ठान और पूजा-अर्चना की जाती है। फिर मंदिर से नयनाभिराम वस्त्रों, आभूषणों और रंगों से सजे हाथी मंद-मंद गति से निकलते हैं और वड़क्कुनाथम मंदिर की ओर बढ़ते हैं।

अपनी गरिमा, भव्यता और शानो शौकत के लिए त्रिचूर का मेला न केवल केरल में बल्कि समूचे दक्षिण भारत में प्रसिद्ध है। केरल में कहा जाता है कि जिसने त्रिचूर पूरम नहीं देखा उसने कुछ नहीं देखा। त्रिचूर पूरम का अर्थ है त्रिचूर महोत्सव। इस मेले की तैयारियां महीनों पहले शुरू हो जाती हैं। मेले से जुड़े लोग हाथियों के प्रशिक्षण, छतों की मरम्मत, आभूषणों की सफाई और आतिशबाजी के निर्माण में इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किसी को खाने-पीने और सोने की सुध नहीं रहती। मेले के दिनों में अपेक्षाकृत सूनसान, शांत और गतिहीन त्रिचूर नगर भीड़भाड़, कोलाहल और आनंद-उल्लास से जीवंत हो उठता है।

त्रिचूर नगर का नाम इस नगर के आराध्य देव भगवान शिव के नाम पर है। त्रिचूर के पास एक हजार फुट ऊंचे पर्वत शिखर पर भगवान शिव का विशाल मंदिर है। भगवान शिव के इस मंदिर को श्री शिव पेरूर कहा जाता था। कालांतर में जनता की टकसाल में श्री शिव पेरूर तिरू शिव पेरूर और फिर त्रिसूर और अंततः अंग्रेजी भाषा के प्रभाव में त्रिचूर हो गया।

पूरम का शाब्दिक अर्थ होता है उत्सव। यह उत्सव कैसे शुरू हुआ यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता। इसके जन्म का इतिहास पौराणिक किवदंतियों और मिथकों से दबा पड़ा है। अधिकांश लोगों का मत है कि यह उत्सव पहले अराट्टपूड़ा पूरम के रूप में शुरू हुआ। एक वर्ष भारी वर्षा के कारण शोभा यात्रा त्रिचूर से अराट्टपूरड़ा नहीं जा सकी। अतः महोत्सव का आयोजन त्रिचूर में ही किया गया और तब से यह वहीं किया जा रहा है।

त्रिचूर पूरम के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों से देवी-देवताओं की चित्ताकर्षक शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। आकर्षक साज-सज्जा में देवताओं की सवारी लिए विभिन्न रंगों से सजे हाथियों के समूह नयनाभिराम दृश्य प्रस्तुत करते हैं। प्रत्येक हाथी में कोलम अथवा प्रतीक चिन्ह होता है। उस पर हाथी के स्वामी और मंदिर का चित्र बना होता है। प्रमुख पुजारी के पीछे दो अन्य लोग बैठे होते हैं। उनके हाथों में परम्परागत आलवट्टम और वेंजामरम होते हैं। ये हाथी नगर के बीच में होकर धीरे-धीरे पारमेक्कावु मंदिर या तिरुवम्बाड़ी मंदिर की ओर बढ़ते हैं। त्रिचूर का मेला इन दो मंदिरों के हाथियों के बीच प्रतियोगिता के लिए भी प्रसिद्ध है।

दोपहर को मड़तले वरवे का आयोजन किया जाता है। तिरुवम्बाड़ी मंदिर से तीन हाथी मंदिर मडम जाते हैं जहां पूरम में इस्तेमाल के लिए शुद्ध सोने के वस्त्राभूषण रखे जाते हैं। वड़क्कुनाथन मंदिर के मार्ग पर हाथी प्रत्येक घर के दरवाजे पर रुकते हैं। प्रत्येक घर की मालकिन हाथी के सामने लगभग 10 किलोग्राम धान और दीवट रखती है। हाथी कुछ धान लेकर परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देता है। इसे %परा एडुक्कल कहते हैं। वड़क्कुनाथन मंदिर के मैदान में एकत्र होने से पहले सभी हाथी इलंजी वृक्ष पर जाकर देवी को फूल चढ़ाते हैं। यही इलंजी तारा मेलम है जो नगाड़ों के नाद से वातावरण को धीर-गंभीर बना देता है।

सायंकाल पांच बजे वडक्कुनाथन को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद हाथी मंदिर के दक्षिणी दरवाजे से बाहर निकलते हैं। इसे इरक्कम कहते हैं। इसके बाद आंखों को चौंधियां देने वाले चमकते-दमकते वस्त्राभूषणों से सज्जित और विभिन्न रंगों से चित्रित तीस हाथी मैदान में एक दूसरे के सामने, प्रत्येक ओर 15-15 खड़े होकर अपना स्थान ग्रहण कर लेते हैं। सूर्य की किरणों से हाथियों पर सजी जरी की झूल झिलमिलाने लगती है।

रात के अंतिम प्रहर में लगभग तीन बजे आतिशबाजी शुरू होती है। इसकी तैयारी काफी समय और श्रम लगाकर की जाती है। आतिशबाजी लगभग तीन घंटे चलती है। इस दौरान आकाश प्रकाशमान हो उठता है। आतिशबाजी की समाप्ति के साथ ढोल वादक पांडि मेडम की ध्वनि निकालते हैं जो महावतों और हाथियों के लिए अपने-अपने मंदिरों को जाने का संकेत होता है। इसी के साथ इस भव्य और मनमोहक समारोह की समाप्ति हो जाती है।

कैमिकल युक्त फल-सब्जियों को धोने का सही तरीका

फलों और सब्जियों को खाने या पकाने से पहले अच्छी तरह से धो लेना चाहिए, यह बात तो हर किसी को पता है लेकिन इन्हें धोने का सही तरीका शायद आज भी बहुत सारे लोग नहीं जानते। फलों और सब्जियों को अच्छे से धोना बहुत जरूरी है क्योंकि इस पर लगे कीटाणु और कीटनाशक दवाइयां अगर भोजन के रास्ते हमारे शरीर में चले जाएं तो यह फूड प्वाइजनिंग के साथ अन्य कई बीमारियों को भी न्योता देते हैं। दरअसल फल और सब्जियों की चमक बढ़ाने और ज्यादा समय तक इन्हे सुरक्षित रखने के लिए (ताकि यह जल्दी सड़े-गले ना) इस पर वैक्स कोटिंग की जाती है। चमक बरकरार रखने के लिए वार्निश जैसे रसायनों का इस्तेमाल होता है जो मानव शरीर में टॉक्सिन की मात्रा को बढ़ाता है। यह कैमिकल अंदर जाकर आर्गन को खराब कर सकते हैं। इसलिए इसे अच्छे से साफ करना बहुत जरूरी है।

ज्यादातर लोग फलों और सब्जियों को ताजे पानी में धोकर इस्तेमाल कर लेते हैं लेकिन यह तरीका सही नहीं है। इससे फलों पर की गई वैक्स उतरती नहीं हैं। अगर वह खाने के जरिए पेट में जाती हैं तो इससे पाचन क्रिया की गड़बड़ी के साथ अन्य कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। आज हम आपको फल-सब्जियों को धोने के बेस्ट तरीके बताते हैं।

नमक वाला पानी

सेंधा नमक को पानी में मिलाकर इस्तेमाल करने से भी कीटनाशक का सफाया होता है। एक साफ पानी के कटोरे में 1 कप नमक मिक्स करें। फल और सब्जियां को इसमें 10 मिनट तक भिगोकर रखें। फिर निकाल कर साफ पानी से 5 मिनट धोएं।

सिरका

सिरके की मदद से आप कीटाणु और कीटनाशक को आसानी से साफ कर सकते हैं।

एक कटोरे में पानी और 1 कप व्हाइट वेनिगर डालें और उसमें फल या सब्जियों को धोएं। जब ये अच्छे से धुल जाएं तब इन्हें साफ कटोरे में रखें और आगे के लिए प्रयोग करें।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा भी कीटनाशक को पूरी तरह से साफ करता है। 5 गिलास पानी में 4 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस पानी में सब्जियां और फल डुबो दें और 15 मिनट के बाद निकाल कर सुखा लें।

हल्दी वाला पानी

हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो कीटाणुओं का नाश करती हैं। एक पतीले गर्म पानी में 5 छोटे चम्मच हल्दी मिक्स करें। फिर उसमें सब्जियां और फल मिलाएं। फिर इन्हें ताजे पानी से एक बार साफ कर लें ताकि हल्दी का पीलापन ना रहें।

इसके अलावा अगर आप सब्जियों और फलों के छिल्के उतार दें तो भी 90 प्रतिशत तक कीटनाशक अपने आप निकल जाएंगे।

ऐसे दूर करें छोटे बच्चों की यह कॉमन आदत

बच्चे अक्सर अपने आस-पास पड़े सामान को मुंह में ले लिया करते हैं। टीवी का रिमोट हो, पेन या कार की चाबी सब बच्चों के मुंह में पहुंच जाता है। आप व्यस्तता के बीच उन्हें हर मौके पर ऐसा करने से रोक नहीं सकते।

शोध की मानें तो बच्चे अपनी सर्वाइवल के लिए ऐसा करने के लए बाध्य होते हैं। इनके इस एक्टिविटी के पीछे उनका दिमाग इस चीज के लिए उत्तरदायी होता है। उनके लिए उनका सेंसर उनकी जीभ और उनकी उंगलियां ही होती हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं क्या कारण है कि वे सभी चीजों को अपने मुंह में लेने लगते हैं।

■ बच्चों में साधारणत ये जिज्ञासा होती है और वे हर वो चीजों को अपने हाथों से पकड़ कर उसका अनुभव करना चाहते हैं और उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा पता करना चाहते हैं।

■वे अपने छोटी उंगलियों का इस्तेमाल नहीं कर पाने के कारण और चीजों के प्रति और ज्यादा जांच पड़ताल करने के लिए इसे अपने मुंह में लेना शुरु कर देते हैं और अपने सेंसर ऑर्गन जीभ से टेस्ट करके उसके बारे अनुभव लेते हैं।

■कभी कभी चीजों को अपने दांतों से पकड़ कर उसे चबाना और काटना भी इस बात की ओर संकेत करता है कि वे इस दौरान सीखते हैं कि अपने बॉडी के इन पार्ट्स का वे किस तरह से यूज कर सकते हैं। इसकी वजह से उनके मसूड़े भी स्ट्रॉग होते हैं जिससे वे बाद में बोलने और खाना खाने के लिए सक्षम हो जाते हैं।

■इससे उन्हें ये भी अनुभव होता है कि कौन-कौन सी चीजों का टेस्ट अच्छा है और कौन सी चीजों का टेस्ट खराब है। ये इस उम्र के बच्चों के लिए सामान्य सी बात है।

■जब बच्चे इतने सक्षम हो जाते हैं कि वे घिसटना शुरु कर देते हैं आपको उनके लिए ज्यादा सावधान हो जाना पड़ता है क्योंकि उनेक खिलौनों में कई बार कुछ हानिकारक पार्ट्स होते हैं और उन्हें नुक्सान भी पहुंचा सकते हैं।

ये एक तरह से उनके लिए सकारात्मक अनुभव है लेकिन बावजूद इसके उनकी सुरक्षा के लिए आपको उनके उपर एक नजर बनाए रखना चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं कुछ सुरक्षा के तरीके जिससे आप उनकी आदत पर लगाम लगा सकती हैं साथ ही उन्हें इससे सुरक्षित रख सकती हैं।

उनके आसपास से खतरनाक और हानिकारक चीजों को हटा दें- बच्चों को ये पता नहीं होता है कि कौन सी चीजें उनके लिए खतरनाक है और कौन सी नहीं। उन्हें अपने आस पास की सभी चीजें आकर्षक और खूबसूरत लगती हैं और वे उन सभी चीजों का अनुभव करना चाहते हैं और अपनी आदत के अनुसार वे उन्हें टेस्ट करके महसूस करते हैं। इसलिए बेहतर ये होगा कि आप पहले से ही सावधान होकर उनके पास से सारी हानिकारक चीजों को हटा दें।

उन्हें ना का मतलब समझायें- कभी कभी आपके बच्चे ऐसे सामानों को उठा कर टेस्ट करना शुरु देते हैं जो उनके लिए सही नहीं है। उन्हें इसी समय से ना का मतलब समझायें और सही और गलत में फर्क बतायें। बाद में वे भले ही आपकी बात नहीं मानेंगे लेकिन आपके ना का मतलब समझ जायेंगे।

उन पर चिल्लायें नहीं और डांटें नहीं- जिज्ञासु प्रवृत्ति होने के कारण बच्चों में ये आदत स्वाभाविक होता है। उन्हें डांटे नहीं या उन पर चिल्लायें नहीं, ऐसा करने से वे हतोत्साहित होंगे और उनमें सीखने की ललक कम हो जाएगी। इससे बेहतर ये है कि आप उनके खेलने के समय उनके आस पास ही रहें और उन पर नजर रखें।

जर्म्स से छुटकारा दिलायें- सभी चीजों को जर्मफ्री करना आपके लिए संभव नहीं है, लेकिन आपके बच्चे का बैक्टीरिया और वायरस से होने वाली बीमारी से बचाकर रखना भी उतना ही जरुरी है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि वे उन खिलौनों को मुंह ना लगायें जो उससे पहले किसी बीमार बच्चे ने उसे टेस्ट कर रखा हो। उनके हाथ और उनके खिलौनों को बार-बार धोकर रखने की आदत डालें।

क्यों ना एक टीथर का इस्तेमाल करें- कभी कभी बच्चे इसलिये चीजों को मुंह में लेते हैं क्योंकि उन्हे अपने दांतों से चबाने की आदत हो जाती है। इसके लिए बेहतर ये होगा कि आप उनके लिए टीथर लाकर दें जो उनके मसूड़ों को आराम भी दे और वे उनमें व्यस्त भी रहें।

किस पशु का दूध होगा आपके लिए उपयोगी

भारतीय संस्कृति में खान-पान का बहुत महत्व है। भारतीय भोजन का एक महत्वपूर्ण अंग है दूध। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने इसका प्रयोग कभी न किया हो। बढ़ते बच्चों के विकास के लिए दूध की उपयोगिता से कोई अनजान नहीं है साथ ही दूध में अनेक ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो विभिन्न रोगों को दूर करने में सहायक होते हैं।

गाय का दूध विटामिन ए, बी, सी, डी और ई का बहुत अच्छा स्रोत होता है। यह जल्दी पचने वाला होता है। यह शरीर का पोषण कर, निर्बलता को दूर करता है। रोगियों के लिए गाय का दूध सबसे अच्छा माना जाता है। गाय का धारोष्ण दूध शहद के साथ सेवन करने से ताकत एवं बुद्धि का विकास होता है। गाय के दूध में 8-10 कागजी नींबू का रस डालकर तुरन्त पीने से बवासीर में लाभ मिलता है। पीलिया के निदान के लिए गाय के दूध में सोंठ मिलाकर उस का सेवन करना चाहिए। दूध में गुड़ डालकर पीने से मूत्रकृच्छ से राहत मिलती है परन्तु यह कफ और पित्त को बढ़ाता है।

दूध को हमेशा एक उबाल आने पर गुनगुना ही पीना चाहिए। दूध को ज्यादा नहीं उबालना चाहिए क्योंकि इससे उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। पीते समय दूध पर आई मलाई निकाल देनी चाहिए क्योंकि यह गरिष्ठ, शीतल, तृप्तिकारक, स्निग्ध पुष्टिदायक, धातुवर्धक तथा कफकारक होती है। दूध को हमेशा रात को ही पीना चाहिए। रात को पीने से दूध बुद्धिप्रद, क्षयनाशक, अधिक पच्य तथा अनेक रोगों के लिए लाभप्रद सिद्ध होता है। दूध को सदैव घूंट-घूंट कर ही पीना चाहिए। दूध पीने के एकदम बाद दही या खटाई का सेवन नहीं करना चाहिए।

भैंस के दूध में विटामिन बी, सी, डी तथा ई मिलते हैं। यह बलवर्धक शरीर को पुष्ट करता है। यह श्रमहारक जठराग्नि को दूर करने वाला होता है। यह गाय के दूध की अपेक्षा अधिक भारी तथा चिकना होता है।

बकरी का दूध गाय के दूध की अपेक्षा अधिक आसानी से पच जाता है। विटामिन ए, बी, सी, डी और ई का स्रोत यह दूध हल्का तथा कसैला होता है। अविसार, खांसी, क्षय, बुखार तथा रक्तपित्त को दूर करने में यह सहायक होता है। इसके दूध के सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ती है। आंखों में दर्द होने पर एकदम साफ रूमाल की पट्टी बनाकर, दूध में भिगोकर, आंख पर रखने से जलन, दर्द और सुर्खी में तुरन्त राहत मिलती है। यह हमारे रक्त में उपस्थित टाकसिन्स को और अनिद्रा के रोग को दूर करता है। इस दूध को माथे पर, सिर पर और पैरों के तलुओं में लगाकर मलने से नींद अच्छी आती है। गर्भवती महिलाओं को बकरी के दूध का सेवन जरूर करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं में यह दस्त की समस्या का निराकरण करता है। इस दूध में छह माशा सेमर की गोंद मिलाकर पीने से प्रदर रोग ठीक हो जाता है।

बकरी के दूध को मथनी से मथने के बाद कुछ गर्म ही पिया जाता है। एक स्वस्थ बकरी के दूध को सबसे अधिक निर्दोष माना जाता है। बच्चों को भी यह दूध दिया जा सकता है। भेड़ का दूध गर्म तथा नमकीन होता है। इसके सेवन से पथरी तथा फेफड़ों के घाव में आराम मिलता है। इस दूध में एक तोला बादाम मिलाकर, पीने से पुंसत्व शक्ति बढ़ती है। खून की उल्टी में यह दूध लाभकारी होता है। हालांकि शरीर पर इसका दूध मलने से शरीर की सुंदरता बढ़ जाती है परन्तु अधिक दिनों तक इस दूध का लगातार प्रयोग करते रहने से शरीर में एक विशेष प्रकार की गंध आने लगती है। हमारे देश के कुछ हिस्सों में ऊंटनी का दूध भी प्रयोग में लाया जाता है। यह दूध वात और कफ के प्रकोप से होने वाले सभी विकारों का शमन करता है। कृमि एवं बवासीर आदि के रोगियों के लिए यह बहुत लाभदायक होता है। घोड़ी तथा एक खुर वाले सभी पशुओं का दूध शरीर को शक्ति देता है। इससे शरीर में स्थिरता भी उत्पन्न होती है। ऐसे पशुओं का दूध कुछ खट्टा और नमकीन भी होता है। छोटे बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए गधी का दूध सर्वश्रेष्ठ है। यह बच्चों को बल भी देता है और खांसी में भी लाभदायक होता है। सांडनी का दूध जलोदर के उपचार में कारगर सिद्ध होता है।

हथिनी के दूध से शरीर में न केवल शक्ति आती है अपितु इससे शरीर में स्थिरता भी पैदा होती है। परन्तु इसका सेवन करते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत भारी प्रकृति का होता है इसलिए देर से पचता है। अंत में मां के दूध के गुणों से तो हम सभी परिचित हैं। जन्म लेते ही हमारा सबसे पहला आहार यही होता है। इससे नवजात शिशु को जीवनशक्ति मिलती है और उसके शरीर में स्निग्धता आती है। मां के दूध में अनेक ऐसे तत्व होते हैं जिनसे हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। जिन बच्चों को किसी कारणवश मां का दूध नहीं मिल पाता वे दूसरे बच्चों के तुलना में ज्यादा बीमार पड़ते हैं। दूध के इतने गुणों को देखते हुए उसे स्वास्थ्य के लिए अमृत कहा जा सकता है।

बीमारियों को दूर रखते हैं ये पौधे, घर में जरूर लगाएं

आजकल धुएं के कारण वातावरण इतना दूषित हो गया है कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। इस गंदी हवा में सांस लेकर लोगों को बहुत सी बीमारियां हो जाती है। सेहत के लिए अच्छा खाना ही नहीं साफ हवा भी बहुत जरुरी होती है क्योंकि पेड़-पौधे लगाने से वातावरण साफ होता है इसलिए जितना हो सके हमें पौधे लगाने चाहिए। जगह की कमी की वजह से शहरों में ज्यादा पेड़- पौधे देखने को नहीं मिलते इसलिए हमें अपने घरों में ही कुछ ऐसे पौधे लगाने चाहिए जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं।

आइवी पौधा

यह एक ऐसा पौधा है जिसको लगाने से घर की हवा कुछ ही घंटों में साफ हो जाती है। आइवी पौधे को घर के बाथरूम के बाहर रखना चाहिए। इससे बाथरूम में पैदा होने वाले कीटाणु मर जाते हैं और कई बीमारियों से बचाव हो जाता है।

लीली का पौधा

अपने घर में लीली का पौधा लगाने से हवा शुद्ध होती है जोकि हमारे लिए बहुत जरूरी है। इससे हमारा शरीर भी बीमारियों से दूर रहता है। लीली के फूल देखने में भी बहुत सुदंर होते हैं।

- बांस का पौधा

बांस के पौधे के काफी फायदे देखने को मिलते हैं। इससे एक तो कीटाणु दूर रहते हैं दूसरा इसको लगाने से घर में खुशहाली भी आती है। बांस के पौधे से आचार भी डाला जाता है जो खाने में बहुत स्वाद होता है।

स्पाइडर पौधा

यह एक ऐसा पौधा है जो हवा से कार्बन-मोनोऑक्साइड और स्टेरिन को निकाल कर उसे शुद्ध कर देता है। कार्बन-मोनोऑक्साइड गैस जोकि दिल के लिए बहुत खतरनाक होती है। इस पौधे को घरों में लगाने से आप हमेशा बीमारियों से दूर रहेंगे।

ऐलोवेरा

घर में ऐलोवेरा का पौधा लगाने से हवा में ऑक्सीजन का लैवल बढ़ता है जोकि हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। ऐलोवेरा हमारी स्किन के लिए भी बहुत बढ़िया होता है।

बच्चे को खिलाएं ये फूड्स, तेजी से चलेगा दिमाग!

प्रतियोगिता भरी जिंदगी में हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा सबसे आगे रहें। साथ ही परिक्षा मे बाकी बच्चों से अव्वल नंबर लेकर आए। ऐसे में बच्चे का दिमाग तेज होना जरूरी है। अगर दिमाग काम करेंगे तभी तो बच्चा अच्छे से अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाएंगा। दिमाग तेज करने के लिए ऐसे आहार खाने की जरूरत है, जो ब्रैन पॉवर को बढ़ाते है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही आहार के बारे में बताएंगे, जिन्हें बच्चों को खाने के लिए देना चाहिए।

1. पालक

पालक में मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटामिन्स भरपूर मात्रा में होते है। बच्चों को खिलाने से दिमाग की ताकत बढेगी।

2. अनार

इसमें पॉलीफेनॉल्स, आयरन कैल्शियम भरपूर होता है, जो दिमाग को तेज करते है और तनाव को दूर रखते है।

3. केला

केले में मैग्नीशियम, पोटैशियम और आयरन काफी मात्रा में होती है। इससे दिमाग तेज चलता है और बच्चे का ध्यान बढ़ाई में रहेंगा।

4. सेब

इसमें क्वर्सेटिन होता है, जो ब्रैन पॉवर को बढ़ाने में मदद करता है। इसी के साथ इसको बच्चों के लंच बॉक्स में भी दे, इससे भूख खत्म हो जाती है।

5. डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में कैल्शियम और विटामिन बी 6 होते है, जो दिमाग की काम करने की शक्ति को बढ़ाते है।

ये खाएंगे तो दिल देगा दुआएं

बढ़ती उम्र के बावजूद अपने दिल को जवां बनाए रख सकते हैं और इसके लिए सिर्फ खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें खाने में शामिल कर दिल को दिल को स्वस्थ रखकर इससे जुड़ी बीमारियों से भी बच सकते हैं...

■ बादाम खाने से हृदय की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ रहती हैं। बादाम खाने से रक्त में एंटीऑक्सिडेंट की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से बढ़ोत्तरी होती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ता है और रक्त प्रवाह में सुधार होता है।

■ हर रोज अखरोट खाने से भी सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले कोलेस्ट्रॉल में कमी आती है। अखरोट में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे अनसैचुरेटेड फैट, प्रोटीन और लवणों की पर्याप्त मात्रा होती है।

■ दूध की जगह सोया दूध और पनीर की जगह खाने में टोफू का उपयोग कर सकते हैं। इनमें भी प्रोटीन के अतिरिक्त ओमेगा-3 फैटी एसिड और कैल्शियम प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं।

■ ओट्स का सेवन दिल के लिए काफी फायदेमंद होता है। ओट्स में खूब फाइबर मौजूद होता है, जो दिल के लिए बहुत अच्छा होता है यही नहीं यह दूसरी बीमारियों से भी बचाता है। इससे शुगर लेवल कम रहता है।

■ अनार विटामिन A, C, E फॉलिक एसिड और एंटीऑक्सिडेंट का प्रधान स्रोत होता है। अनार का रस मूल रूप से दिल की बीमारी से खतरे को रोकने में मदद करता है। एक ग?लास अनार का रस ब्लड शुगर को उन्नत करने के साथ ब्लड-प्रेशर को कम करता है। वहीं अनार का रस पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर

घटने के साथ-साथ धमनियों में रक्त का थक्का बनने की प्रकिया को भी रोकता है। इस तरह अनार दिल को सभी प्रकार के खतरों से बचाने में मदद करता है। अनार फाइटो न्यूट्रीअन्ट से भरपूर होता है जिसके कारण शक्तिशाली एन्टी ऑक्सिडेन्ट होता है।

■ ब्राउन राइस भी दिल की सेहत ठीक रखने के लिए ठीक है। कोलेस्ट्रॉल आपकी धमनियों को ब्लॉक करता है और दिल की बीमारियों का कारण बनता है। ब्राउन राइस के ब्रैन यानि चोकर में अनसैचुरेटेड ऑइल्सी होता है, जो कि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काम आता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**